www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 117 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
18 जुलाई 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:23
सूर्यास्तः 07:02
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 28°00

पेज 07

विशेष समाचार
पासपोर्ट पर भ्रम खत्म... >>पेज 04
'आपको डॉक्टर लिखने ... >>पेज 06
20-25 ऑडिशन में रिजेक्ट...

शामली में गरजे सीएम योगी, विकास की दी सौगात

'माफिया को जहन्नुम या जेल पहुंचा के रहेंगे'

योगी बोले- पहले 12 बजे उठती थी सरकार, गाजियाबाद में कहा- यहां की पहचान कभी गुंडागर्दी से होती थी, आज विकास दौड़ रहा

शामली के समग्र विकास हेतु 581 करोड़ से अधिक लागत की 89 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

शामली, गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बिजनौर में विभिन्न विकास परियो-जनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में विपक्ष पर तीखा हमला बोला. सीएम अपने संबोधन में उन्होंने प्रदेश की कानून-व्यवस्था, गन्ना किसानों, धार्मिक आयोजनों और बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे कथित अत्याचारों सहित कई मुद्दों पर अपनी सरकार का पक्ष रखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा ये वो लोग हैं जिन्हें जिन्ना पसंद हैं, हमें जिन्ना नहीं, गन्ना पसंद है. उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने गन्ना किसानों के हित में गन्ने का मूल्य बढ़ाया है और प्रदेश को अपराध, माफिया, दंगा और कर्फ्यू से मुक्त बनाया है। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले बिजनौर की स्थिति अलग थी और तत्कालीन मुख्यमंत्री यहां आने से बचते थे. उन्होंने कहा कहा जाता था कि बिजनौर मुख्यमंत्री के लिए अपशकुन है, लेकिन मैं कहता हूं कि वे स्वयं ही अपशकुन थे, इसलिए बिजनौर उन्हें स्वीकार नहीं करता था।

>> (शेष पेज 06 पर)

यूपी से निकला जिन्ना का जिन्न

वहीं मुख्यमंत्री ने बिना किसी दल का नाम लिए कहा कि कुछ लोग बाबा साहब अंबेडकर का नाम लेते हैं, लेकिन काम योगेंद्र नाथ मंडल जैसा करते हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष जाति के नाम पर समाज को बांटने की राजनीति कर रहा है और सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है. उन्होंने लोगों से ऐसी प्रवृत्तियों से सतर्क रहने की अपील की. सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य विकास, सुशासन और कानून का राज स्थापित करना है तथा प्रदेश को अपराध और अराजकता से मुक्त रखना सरकार की प्राथमिकता है।

कांवड़ यात्रा और कानून-व्यवस्था पर भी दिया बयान

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकारें अपराधियों पर नियंत्रण नहीं कर पाती थीं, इसलिए कांवड़ यात्रा, जन्माष्टमी, रामनवमी की शोभायात्रा और दुर्गा पूजा जैसे आयोजनों पर प्रतिबंध लगाए जाते थे. उन्होंने दावा किया कि अब उत्तर प्रदेश में अपराधियों पर नियंत्रण है और इसी वजह से धार्मिक आयोजन पूरे उत्साह और सुरक्षा के साथ संपन्न हो रहे हैं।

इस दौरे का मुख्य उद्देश्य शामली में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना और विकास कार्यों को गति देना था, जिसे सरकार ने धरातल पर उतारकर जनता को समर्पित किया.

सीएम योगी ने अपने भाषण में कहा- जो मैंने संकल्प लिया था माफिया को जहन्नुम या जेल पहुंचा के रहेंगे, जब शामली-कैराना आता हूं तो लगता है मेरा संकल्प सार्थक हुआ.

विपक्ष पर निशाना और एक्सप्रेस-वे की त्रिवेणी

मुख्यमंत्रीयोगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर कड़ा प्रहार करते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को 'जिन्ना का उपासक' करार दिया. उन्होंने कहा कि पहले लोग बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरसते थे और विकास ठप्प था।. आज शामली विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और दिल्ली-देहरादून, शामली-अंबाला व शामली-गोरखपुर एक्सप्रेस-वे का त्रिवेणी संगम बन चुका है. साथ ही, शामली अब एनसीआर का हिस्सा बनकर उसी की तर्ज पर विकसित हो रहा है।

भाजपा का महाराष्ट्र के दोनों दलों को ऑफर

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार हलचल पैदा हो गई है। खबर है कि एनसीपी के दोनों गुटों को विलय कर एनडीए में शामिल होने का प्रस्ताव मिला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केंद्र सरकार संसद में इस बार महिला आरक्षण विधेयक और परिसीमन विधेयक से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक लाने वाली है। इसीलिए एनडीए के पार्टी नेतृत्व ने सुझाव दिया है कि नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP) के दोनों गुट आपस में फिर से मिल जाएं और एनडीए की सहयोगी पार्टी बन जाएं। बजाय इसके कि कोई भी दल सत्ताधारी पार्टी में विलय करे।

ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि NCP (SP) (नेशनल कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार) कुछ शर्तों के तहत परिसीमन विधेयक के प्रति अपने समर्थन पर पुनर्विचार कर सकती है। पार्टी का यही नरम रुख एनडीए से गठबंधन का संकेत हो सकता है।

'एसआईआर में नाम कटने पर नागरिकता नहीं जाती'

सुप्रीम कोर्ट ने ईसी और बंगाल सरकार से मांगा जवाब

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज शुक्रवार को चुनाव आयोग, पश्चिम बंगाल सरकार और राज्य चुनाव आयोग से एक PIL पर जवाब मांगा है। इस PIL में SIR प्रक्रिया के दौरान हटाए गए वोटरों की ओर से दायर दावों और आपत्तियों का विधानसभा क्षेत्र-वार डेटा सार्वजनिक करने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट में ये याचिका पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की SIR कमेटी के चेयरमैन प्रसेनजीत बोस ने दायर की थी। इस याचिका पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने सुनवाई की। वकील नेहा राठी की दायर याचिका में पश्चिम बंगाल स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) प्रक्रिया से जुड़ा विधानसभा क्षेत्र-वार डेटा मांगा। इसमें फॉर्म 6 और 7 की संख्या (दायर, स्वीकार और खारिज) और अपीलीय ट्रिब्यूनल के सामने अपील के लंबित रहने और उनके निपटारे की जानकारी शामिल थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

चुनाव आयोग नागरिकता तय नहीं कर सकता, यह कोर्ट ने कहा।

रामंदिर चोरी : टिन्नू-मनीष यादव 39 घंटे रिमांड पर रहेंगे

पुलिस को कोर्ट से मंजूरी, मंदिर परिसर में 10 दिन का प्रायश्चित अनुष्ठान शुरू

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी रामशंकर यादव उर्फ 'टिन्नू' और उसके भतीजे मनीष यादव की पुलिस को रिमांड मिल गई है। शुक्रवार दोपहर फैजाबाद कोर्ट ने 39 घंटे की रिमांड मंजूर की। हालांकि, पुलिस ने 7 दिन की रिमांड मांगी थी।

टिन्नू पूर्व महासचिव चंपत राय का करीबी रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

हनुमानगढ़ी में कभी नमाज नहीं पढ़ी गई

गोंडा में पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा- हनुमानगढ़ी में कभी नमाज नहीं पढ़ी गई, इसलिए ऐसा कहना गलत है। उन्होंने दावा किया कि हनुमानगढ़ी का निर्माण एक मुस्लिम ने कराया था। इसका उल्लेख वहां लगे शिलालेख में भी दर्ज है।

महंत राजू दास बोले- नृपेंद्र मिश्रा का भी इस्तीफा लिया जाए

अयोध्या में हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास ने कहा कि मैं निवेदन करता हूं कि नृपेंद्र मिश्रा जी का भी इस्तीफा लिया जाए। उनकी जगह किसी दूसरे अधिकारी को जिम्मेदारी दी जाए। सरकार में अधिकारियों की कोई कमी नहीं है। जब चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा लिया जा सकता है, तो फिर नृपेंद्र मिश्रा की क्या जरूरत है? उन्हें पद पर बनाए रखकर विपक्ष को मुद्दा क्यों दिया जा रहा है? उन्हें भी तत्काल हटा देना चाहिए।

फास्ट न्यूज

पुरी रथयात्रा, तीनों रथ गुंडिचा मंदिर पहुंचे

पुरी । ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ शुक्रवार दोपहर श्री गुंडिचा मंदिर पहुंच गए। अब तीनों देवता अगले 7 दिन अपनी मौसी के घर रहेंगे। इसके साथ ही रथयात्रा पूरी हुई। वापसी रथ यात्रा, जिसे बहुडा यात्रा कहा जाता है, 24 जुलाई को होगी।

खुलासा जांच

सुपारी किलर ने केतन को मारने से मना किया था

पुणे। पुणे की सिया गोयल और चेतन चौधरी ने केतन अग्रवाल की हत्या के लिए एक सुपारी किलर से भी कॉन्टेक्ट किया था। केतन अग्रवाल मर्डर केस की जांच में यह खुलासा हुआ है।

केतन के बारे में जानने के बाद सुपारी किलर डर गया था। उसने सुपारी लेने से मना कर दिया था। सिया और चेतन ने इस शख्स को पुणे की एक होटल में बुलाया था।

पुलिस ने उस होटल का सीसीटीवी फुटेज भी बरामद कर लिया है। अब इसी सुपारी किलर को पुलिस कोर्ट में गवाह के तौर पर पेश करेगी।

दो बच्चों समेत कार लेकर नदी में कूदा टीचर

नांदेड़ (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले की एक सरकारी स्कूल के टीचर की कार गोदावरी नदी में गिर गई। हादसे में टीचर और उनके दो बच्चों की मौत हो गई। शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। क्योंकि, एक दिन पहले ही टीचर ने व्हाट्सएप स्टेटस पर भी सुसाइड कर लेने पर मजबूर होने की बात लिखी थी।

मानसून सत्र 20 जुलाई से सरकार 7 बिल लाएगी

वंदे मातरम के अपमान और विदेशी चंदे पर सख्ती की तैयारी

तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। 20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र के लिए सरकार ने एजेंडा तय कर लिया है। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, लोकसभा में 7 बिल पेश किए जाएंगे। इनमें वंदे मातरम के अपमान और विदेशी चंदा कानून में संशोधन से जुड़े विधेयक भी शामिल हैं। बिलों की अस्थायी सूची में अभी किसी भी संविधान संशोधन बिल जैसे परिसीमन या नारी संशोधन का जिक्र नहीं है। 13 अगस्त तक चलने वाले मानसून सत्र में कांग्रेस समेत विपक्षी दल NEET-UG पेपर लीक, अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, अयोध्या राम मंदिर दान विवाद, E20 ईंधन और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। यह सत्र 25 दिनों तक चलेगा, कुल 19 बैठकें होंगी। दिल्ली के कर्तव्य भवन में शुक्रवार को एनडीए नेताओं की बैठक हुई। इसमें केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, शिवराज सिंह चौहान और ललन सिंह समेत कई सीनियर लीडर शामिल हुए।

>> (शेष पेज 06 पर)

7 में से 2 बिल पुराने, 3 पहली बार पेश होंगे

केजरीवाल बोले- राममंदिर चंदा चोरी वालों के सबसे बड़े नेता ईमानदारी का भाषण देकर आए

पंजाब में कट्टर बेईमान पार्टी की सरकार : मोदी

जनसभा

तमसा संकेत, एजेंसी

चंडीगढ़/जालंधर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार (17 जुलाई) को जालंधर रैली में कहा- पंजाब में कट्टर बेईमान पार्टी (AAP) की सरकार है। यहां की सरकार कर्ज पर मौज कर रही है। इस पार्टी ने किसानों और बहन-बेटियों के साथ धोखा किया है। लॉ एंड ऑर्डर के ये हालात हैं कि कब कहां गैंगवार हो जाए, कहां किस दिशा से गोलियां चलने लगें, कोई कह नहीं सकता। व्यापार-कारोबार करना मुश्किल हो चुका है। थानों पर अटैक हो रहे हैं। इसके जवाब में AAP के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया (X) पर लिखा- श्री राम मंदिर का चंदा चोरी करने वालों के सबसे बड़े नेता आज पंजाब आकर ईमानदारी का भाषण देकर गए हैं। वहीं पीएम ने कहा कि यहां कांग्रेस का भी अपना रोना धोना चल रहा है। इनका तो कुर्सी का किस्सा खत्म नहीं हो रहा है। अकाली दल का भी यही हाल है। उनकी अपनी उलझनें खत्म नहीं हो रही हैं। पंजाब में BJP ही असली बदलाव लाएगी। हरियाणा में देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को रवाना करने के बाद PM पहले चंडीगढ़ पहुंचे। जहां उन्होंने 4700 करोड़ के प्रोजेक्टों का उद्घाटन व शिलान्यास किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

पीएम नरेंद्र मोदी की 5 अहम बातें

- नशा चरम पर, कारोबार करना मुश्किल, कब कहां गोलियां चल जाएं, गारंटी नहीं, थाने सुरक्षित नहीं
- आप नेता घूस लेते पकड़े गए, कर्ज लेकर पंजाब सरकार मौज कर रही, ये कट्टर बेईमान पार्टी
- किसानों को धोखा दिया गया, बहनों के खातों में अब तक 50 हजार रुपए आ जाने चाहिए थे
- पंजाब सरकार केंद्र की योजनाओं का लाभ लोगों तक नहीं पहुंचने दे रही, करोड़ रुपए भेजे, सही इस्तेमाल नहीं हुआ
- कांग्रेस कुर्सी की लड़ाई में उलझी हुई है, अकाली दल भी अपनी आंतरिक समस्याओं से बाहर नहीं निकल पा रहा

मोदी हरदम पंजाब के युवाओं के साथ है

उन्होंने कहा कि पंजाब में अब भाजपा सरकार की जरूरत है। बीजेपी सरकार ही पंजाब का विकास कर सकती है। आज जालंधर आया हूं तो युवाओं से एक बात कहूंगा। मुझे पंजाब के युवाओं पर पूरा भरोसा है। पंजाब के युवा खेल के मैदान में जो जज्बा दिखाते हैं वो काबिल ए तारीफ है। खेलो इंडिया पॉलिसी आपके लिए ही है। नई इकोनॉमी के केंद्र में स्पोर्ट्स भी है जो जालंधर के लिए वरदान है। मैं अभी न्यूजीलैंड गया था। वहां स्पोर्ट्स में 5 बड़े समझौते हुए हैं। इसलिए पंजाब के युवाओ स्पोर्ट्स से जुड़ो। हमें पंजाब को आगे ले जाना है। मोदी हरदम पंजाब के युवाओं के साथ है।

संवाद : राहुल बोले-99% लोगों को होता है नुकसान देहरादून में 8 हजार स्टूडेंट्स से की बातचीत

'पेपर लीक के रास्ते पर चलते हैं 1% लोग'

- राहुल बोले- टेस्टिंग सिस्टम पुराना हो चुका, टेक्नोलॉजी से खत्म हो सकता है पेपर लीक
- राहुल बोले- युवाओं के सामने दो रास्ते, एक मेहनत का और दूसरा पेपर लीक का

तमसा संकेत, एजेंसी

देहरादून। देहरादून के बन्नू स्कूल ग्राउंड में आयोजित कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पेपर लीक, भर्ती व्यवस्था और युवाओं के भविष्य को सबसे बड़ा मुद्दा बनाया। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक फीसदी लोग पेपर लीक का रास्ता अपनाते हैं, लेकिन इसकी कीमत 99 फीसदी ईमानदार और गरीब युवाओं को चुकानी पड़ती है। राहुल ने कहा कि मीडिया शादी और चीते की बात करेगी, लेकिन पेपर लीक जैसे मुद्दों पर चर्चा नहीं होगी। राहुल गांधी ने कहा कि देश का मौजूदा टेस्टिंग सिस्टम पुराना हो चुका है ।

>> (शेष पेज 06 पर)

मंच से युवाओं को संबोधित करते राहुल गांधी।

कार्यक्रम में दिखाया गया 'पेपर का रेट' कार्ड

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान मंच से पेपर लीक के कथित नेटवर्क पर निशाना साधते हुए एक 'पेपर का रेट' कार्ड दिखाया गया। इसमें विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक की कथित कीमतें दर्शाई गईं। कार्ड के मुताबिक NEET 2026 का रेट 40 लाख रुपये, IIT-JEE 2021 का 15 लाख रुपये, उत्तराखंड पटवारी भर्ती 2025 का 15 लाख रुपये, बिहार शिक्षक भर्ती 2024 का 10 लाख रुपये और ओडिशा पुलिस सब-इंस्पेक्टर भर्ती 2025 का 25 लाख रुपये बताया गया। राहुल गांधी ने इसे युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ का प्रतीक बताते हुए भर्ती प्रणाली में सुधार की मांग उठाई।

मीडिया शादी और चीते की बात करेगी, पेपर लीक की नहीं

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा कि मीडिया अक्सर शादी, चीते और दूसरी चर्चित खबरों पर ध्यान देती है, लेकिन पेपर लीक जैसे मुद्दों को उतनी गंभीरता से नहीं उठाती। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों पर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा होनी चाहिए।

एक शादी करने वाला ही एमपी में रहेगा : मोहन यादव

राम एक शादी करे तो रहीम चार क्यों

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

कटनी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा- मध्यप्रदेश में वही रह पाएगा जो एक ही शादी करेगा। विधानसभा के मानसून सत्र में समान नागरिक संहिता (UCC) लाएंगे। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को यह ऐलान कटनी में किया। मुख्यमंत्री ने कहा-हिंदुओं और मुसलमानों के लिए अलग-अलग कानून क्यों हों? सबके लिए एक ही कानून होना चाहिए। अगर राम एक शादी करेगा तो रहीम दो या चार शादियां क्यों करेगा? मुस्लिम बहनें भी हमारी बहनें हैं और उनके अधिकारों की रक्षा जरूरी है। सीएम बोले- तीन तलाक का दौर खत्म हो चुका है। अगर कोई 'तलाक, तलाक, तलाक' कहेगा तो उसे जेल जाना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि अगली कैबिनेट बैठक में UCC के मसौदे को मंजूरी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि भोपाल के जगदीशपुर में होने वाली अगली कैबिनेट बैठक में UCC विधेयक के मसौदे को मंजूरी दी जाएगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

अगली कैबिनेट में मंजूरी, फिर विधानसभा में आएगा बिल

डांटते हुए बोलीं- हमारे पास 15 दिन का समय, अंदर क्यों बैठे हो, यह पूरी कार्रवाई द्वेष भावना के तहत की जा रही

जौहर यूनिवर्सिटी से आजम की पत्नी ने पुलिसवालों को भगाया

क्रोधित

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर । यूपी के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ सपा नेता आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी के 40 में से 38 भवनों को अवैध घोषित किया गया है। रामपुर जिला प्रशासन ने इन पर बुलडोजर चलाने का आदेश दिया है। इस आदेश के बाद आजम की पत्नी डॉक्टर तंजीन फातिमा गुरुवार दोपहर 2 बजे जौहर यूनिवर्सिटी पहुंचीं। यूनिवर्सिटी परिसर में पुलिसवालों को देखकर नाराज हो गईं। उन्होंने कहा-

हमारे पास कोर्ट का स्पष्ट आदेश है, जिसमें हमें 15 दिन का समय दिया गया है। ऐसे में पुलिस और प्रशासन इस तरह जबरन यूनिवर्सिटी के अंदर नहीं बैठ सकते। यह पूरी कार्रवाई द्वेष भावना के तहत की जा रही है। तंजीन फातिमा ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को यूनिवर्सिटी से बाहर करवा दिया। इसके बाद वह यूनिवर्सिटी परिसर में अपने ऑफिस पहुंचीं। वहां मैनेजमेंट और सपा नेताओं से मुलाकात की। रामपुर विकास प्राधिकरण (RDA) की कार्रवाई के खिलाफ अपनाई जाने वाली रणनीति पर विचार किया। कोर्ट में डीएम के आदेश को चुनौती देने पर भी सलाह ली गई। बैठक के बाद नगर अध्यक्ष असीम राजा ने आरोप लगाया कि आदेश में यूनिवर्सिटी को 15 दिन का समय दिया गया था, लेकिन इसका पालन नहीं किया गया।

आसिम राजा ने कहा- हमें हाईकोर्ट जाने का पूरा अधिकार और समय मिला है। उससे पहले इस तरह की कार्रवाई गलत है। प्रशासन को कोर्ट और अपने ही आदेश में दी गई समय-सीमा का सम्मान करना चाहिए।

दावा- यूनिवर्सिटी की सभी इमारतें वैध हैं

आसिम राजा ने दावा किया कि यूनिवर्सिटी की सभी इमारतें वैध हैं। उनके स्वीकृत नक्शे मौजूद हैं। अगर जिला प्रशासन दस्तावेज स्वीकार नहीं कर रहा, तो उन्हें हाईकोर्ट में पेश किया जाएगा। जिलाधिकारी का फैसला अंतिम नहीं है। हम कोर्ट में अपना पक्ष मजबूती से रखेंगे।

उन्होंने कहा, जौहर यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट का मामला पहले से कोर्ट में विचाराधीन है। उस पर स्थगन आदेश (स्टे) लागू है। ऐसे में गेट या उससे जुड़े सार्वजनिक मार्ग के संबंध में किसी भी प्रकार की कार्रवाई करना उचित नहीं।

सपा नेता बोले- प्रशासन ने 10 मिनट के भीतर फैसला सुनाया

सपा नेता आसिम राजा ने कहा- 15 जुलाई को जारी नोटिस का जवाब यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट ने समय पर दे दिया था। इसके बाद जिला प्रशासन ने मौखिक पक्ष रखने के लिए बुलाया, वहां हम उपस्थित भी हुए। लेकिन, पूरी कार्रवाई पहले से तय थी। हमारी बात सुनी जरूर गई, लेकिन महज 10 मिनट के भीतर फैसला सुना दिया गया। तुरंत विज्ञप्ति भी जारी कर दी गई। इससे साफ है कि फैसला पहले से तय था। यह सब एक सोची-समझी साजिश के तहत किया जा रहा है। कुछ अधिकारियों की मनोकामना पूरी करने और यूनिवर्सिटी को बदनाम करने के लिए प्रवेश प्रक्रिया के दौरान यह कार्रवाई की गई है।

मुख्यमंत्री योगी से मिले पूर्व विधायक धीरज ओझा

रानीगंज के विकास कार्यों पर हुई चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़ । प्रतापगढ़ के रानीगंज के निवर्तमान विधायक अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा ने लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने रानीगंज विधानसभा क्षेत्र के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर मुख्यमंत्री से विस्तार से चर्चा की और उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

भेंट के दौरान, धीरज ओझा ने रानीगंज विधानसभा के संसारपुर में निर्माणाधीन औद्योगिक क्षेत्र के लिए रुकी हुई धनराशि शीघ्र जारी कराने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि इससे निर्माण कार्य में तेजी आएगी और क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के साथ औद्योगिक विकास के नए अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करते हुए धनराशि जल्द जारी कराने का आश्वासन दिया। इसके अतिरिक्त, धीरज ओझा ने रानीगंज स्थित प्रसिद्ध माँ बाराही धाम को धार्मिक एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए माँ बाराही कॉरिडोर के निर्माण का प्रस्ताव भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। धीरज ओझा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश लगातार विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

फास्ट न्यूज

वाराणसी के आर्यन ने नीट परीक्षा में यूपी किया टॉप

वाराणसी। वाराणसी के आर्यन दुबे ने 720 में से 710 अंक हासिल कर पूरे यूपी में नीट टॉप किया है। 99.99965 पर्सेंटाइल के साथ आर्यन की ऑल इंडिया रैंक 7 रही। अनुशासन और एकाग्रता के साथ पढ़ाई उनकी सफलता के दो मूल मंत्र रहे। आकाश इंस्टीट्यूट से कोचिंग करने वाले आर्यन दुबे ने बताया कि उन्हें मेडिकल क्षेत्र में जाने की प्रेरणा बचपन से ही अपने परिवार से मिली।

प्रयागराज में बेकाबू बलेनो ने कई लोगों को मारी टक्कर

प्रयागराज। प्रयागराज में शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे तेज रफ्तार बलेनो कार ने चौफटका के पास कई लोगों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक कार लेकर भागने लगा, लेकिन लोगों ने पीछा कर हरि स्वीट हाउस के पास उसे घेर लिया। सूचना पर पहुंची धूमनगंज थाना पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर कार कब्जे में ले ली, जबकि उसके दो साथी मौके से फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, काले शीशों वाली कार में तीन युवक सवार थे। लोगों ने कई बार कार रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक नहीं रुका।

जीत के लिए निषाद पार्टी भाजपा का सिंबल लेती है

गोरखपुर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. अरविंद राजभर ने अपने गठबंधन के सहयोगी दल निषाद पार्टी को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि जितना मैं सोच पाता हूं, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. संजय निषाद अपने परिवार के लोगों की जीत के लिए भाजपा का सिंबल चुनाव में लेते हैं।

वांगचुक 20 जुलाई को भूख हड़ताल खत्म करेंगे : डिंपल

कोई जिए-मर जाए सरकार को फर्क नहीं पड़ता

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा सांसद डिंपल यादव गुरुवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंची। यहां उन्होंने दोपहर साढ़े 3 बजे के करीब अनशन पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से मुलाकात की।

डिंपल जब मंच पर पहुंचीं, तब इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगे। डिंपल ने कहा कि सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता कौन जी रहा है और कौन मर रहा है। उन्होंने दावा किया कि सोनम वांगचुक ने उनसे कहा है कि वे 20 तारीख को अपनी भूख हड़ताल खत्म कर देंगे। डिंपल ने कहा,मैं सभी युवाओं से अपील करना चाहती हूं कि वे 20 तारीख को यहां से संसद तक होने वाले मार्च में शामिल हों। यह आपके अधिकारों और सम्मान की लड़ाई है। इस दौरान कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने कहा, श्मैम डिंपल यादव ने सर सोनम वांगचुक से 20 तारीख को अपनी भूख हड़ताल खत्म करने का अनुरोध किया। इसके बाद उनकी पार्टी संसद में इस लड़ाई को आगे बढ़ाएगी, यह मैम का अनुरोध था, लेकिन सर सोनम वांगचुक ने इस पर अभी तक कुछ नहीं कहा है। वांगचुक नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वह पिछले 19 दिन से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। उनका वजन 8.9 किलो तक गिर गया है। अखिलेश ने 14 जुलाई को सोनम वांगचुक से अनशन खत्म करने की अपील की थी।

प्रयागराज ज्ञान, न्याय, आस्था और स्वतंत्रता सेनानियों की पावन धरा : उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय

'दीक्षांत समारोह शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि नए जीवन में प्रवेश'

- राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 21वाँ दीक्षांत समारोह संपन्न
- मुक्त विश्वविद्यालय से डिग्री पाना गौरव की बात, युवाओं के दम पर 2047 में विकसित भारत बनेगा : उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी

तमसा संकेत, संवाददाता

प्रयागराज / लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 21वाँ दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ।

समारोह को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि प्रयागराज के बारे में सबसे सार्थक उक्ति है - 'प्रयागे प्रविष्टमात्रे पापम् नश्यति' अर्थात प्रयाग में प्रवेश करते ही सब पाप नष्ट हो जाते हैं। मान्यता है कि ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना के बाद इतने विशाल कार्य के उपरांत यज्ञ और अनुष्ठान के लिए इसी पावन भूमि को चुना था, इसलिए यहाँ आने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है। यह अध्यात्म की भूमि है, धार्मिक चेतना की भूमि है, न्याय, ज्ञान और आस्था की नगरी है, स्वतंत्रता की बलिवेदी पर मर-मिटने वाले बलिदानियों की धरा है। बड़े-बड़े साहित्यकारों ने साहित्य को नई दिशा दी, ऐसी साहित्यकारों की भूमि रही है। जिस शहर में गंगा, यमुना, सरस्वती प्रवाहित होती हैं, जहाँ संगम होता है, वह तीर्थ बड़ा है। इसीलिए प्रयाग के आगे राज लगता है और यह प्रयागराज कहलाता है।

आप सभी ने ऐसे विश्वविद्यालय से उपाधियां प्राप्त की

उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि मेरे लिए बहुत प्रसन्नता की बात है कि आप सभी ने ऐसे विश्वविद्यालय से उपाधियां प्राप्त की हैं जो राज्य का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय है, जहाँ नौकरी पेशा, विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत, घर से बाहर न जा पाने वाली महिलाएं, दिव्यांगजन और विषम परिस्थितियों के कारण नियमित शिक्षा न ले सकने वाले छात्र-छात्राएं डिग्री लेते हैं। आपने केवल उपाधि नहीं, पदक भी प्राप्त किए हैं। उन्होंने कहा कि आप ऐसे समय पर डिग्री प्राप्त कर रहे हैं जब देश में अनेकों संभावनाएं हैं। आज टेक्नोलॉजी, ज्ञान-विज्ञान और अध्यात्म का संगम हमारे पास है। जब यशस्वी प्रधानमंत्री कहते हैं कि 2047 में देश पूर्ण विकसित होगा, तो वह आप जैसे युवाओं के दम पर कहते हैं। मुझे प्रसन्नता है कि आज गोल्ड मेडल प्राप्त करने वालों में ज्यादातर बेटियां हैं। डबल इंजन की सरकार लगातार विकास के साथ-साथ देश की सीमाओं को भी सुरक्षित रख रही है।

मंत्री उपाध्याय ने कहा कि ऐसी पावन भूमि पर यह विश्वविद्यालय है जो राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जी के नाम पर है। वे इसी प्रयाग की भूमि में जन्मे एक ऐसे नेता थे जिन्होंने देश को दिशा दी।

'1एम1बी, माइक्रोसॉफ्ट, मीट वाई स्टार्टअप हब लखनऊ विश्वविद्यालय में स्थापित हुआ सेंटर'

'भविष्य की तकनीकी शिक्षा को नई उड़ान'

तम संकेत, संवाददाता

पहले ग्रीन स्किल्स एवं एप्लाइड एआई सेंटर का शुभारंभ

- पहले वर्ष में इस राष्ट्रीय पहल के अंतर्गत 20 हजार युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिनमें से 10 हजार युवाओं को रोजगार एवं करियर के अवसरों से जोड़ा जाएगा। वहीं लखनऊ स्थित केंद्र अकेले पहले वर्ष में ही 5,000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के सहयोग से राज्य के युवाओं को भविष्य की तकनीकों एवं हरित अर्थव्यवस्था के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। 1एम1बी (वन मिलियन फॉर वन बिलियन) फाउंडेशन, माइक्रोसॉफ्ट तथा MeitY स्टार्टअप हब के संयुक्त सहयोग से लखनऊ विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में उत्तर प्रदेश के पहले ग्रीन स्किल्स एवं एप्लाइड एआई सेंटर का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री सुनील कुमार शर्मा ने वीडियो संदेश के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने और उन्हें रोजगारोन्मुख बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि एप्लाइड एआई एवं ग्रीन स्किल्स सेंटर युवाओं को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाएगा तथा उत्तर प्रदेश को एआई आधारित नवाचार और हरित विकास के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगा। यह सेंटर विद्यार्थियों एवं युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, जलवायु परिवर्तन, कृषि, विनिर्माण तथा सर्कुलर इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा। यहां उद्योग आधारित परियोजनाओं, नवाचार कार्यक्रमों, इंटर्नशिप, स्टार्टअप एवं उद्यमिता सहायता के साथ-साथ रोजगार के अवसरों से जोड़ने की भी व्यवस्था की जाएगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कहा कि यह केंद्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों में दक्ष बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

लखनऊ में स्थापित यह सेंटर देशभर में विकसित किए जा रहे पांच ग्रीन स्किल्स एवं एप्लाइड एआई सेंटरों में तीसरा है। इससे पहले बेंगलुरु और हैदराबाद में ऐसे केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि नोएडा एवं शिलांग में भी शीघ्र ही इनकी स्थापना की जाएगी। इन सभी केंद्रों के माध्यम से वर्ष 2030 तक एक लाख युवाओं को प्रशिक्षित करने तथा 50 हजार से अधिक रोजगार, इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप एवं उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

वाराणसी में महिला दरोगा ने फरियादी को जड़े 5 थप्पड़

बोली- तंग आ गई, आज तुम्हारा इलाज कर देती हूं

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में एक महिला दरोगा फरियादी को सुनने के बजाय उस पर जमकर थप्पड़ बरसाने लगी। दरोगा ने महिला से कहा- तुम्हारी रोज-रोज की शिकायत से तंग आ चुकी हूं। आज तेरा इलाज करती हूं।

चौबेपुर थाने में तैनात रोशनी सिंह ने महिला को 8 सेकेंड में 5 थप्पड़ मारे। थाने में मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। घटना गुरुवार शाम 5 बजे की है। इसका वीडियो आज सामने आया है। महिला फरियादी की थाने में सरेआम पिटाई का मामला तूल पकड़ने के बाद डीसीपी प्रमोद कुमार ने महिला दरोगा को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने विभागीय जांच के आदेश भी दिए हैं।

दलित महिला गीता देवी चौबेपुर के परानापुर की रहने वाली हैं। उन्हें कई साल पहले पट्टे में ग्राम समाज से आबादी की जमीन मिली थी। इसके एक हिस्से में उनका परिवार रहता था। बाकी का हिस्सा खाली पड़ा था।

आबादी की जमीन पर पट्टीदार लोगों की ओर से कब्जा किया जा रहा था। गीता देवी ने 15 जून को इसकी शिकायत चौबेपुर थाने में की थी। इसमें आरोप लगाया था कि उनकी जमीन पर पूनम देवी और अन्य लोगों द्वारा कब्जा किया जा रहा। पुलिस ने दोनों पक्षों को 16 जुलाई को थाने चौबेपुर पर बुलाया था। जहां महिला दरोगा ने गीता देवी को अपने पति को बुलाने के लिए कहा गया।

संबोधन : लखनऊ में एसोचैम और इन्वेस्ट यूपी के संयुक्त तत्वावधान में कॉन्क्लेव का आयोजन

उत्तर प्रदेश इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव-2026 सम्पन्न

- उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक बोले - मजबूत बुनियादी ढांचा और सुदृढ़ कानून व्यवस्था योगी सरकार की पहचान, संगठित अपराध समाप्त

तमसा संकेत, संवाददाता

कॉन्क्लेव का शुभारंभ गरिमामय दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, उत्तर प्रदेश स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह, युवा कल्याण एवं खेल विभाग के विशेष सचिव कुमार विनीत, ASSOCHAM-India के उत्तर प्रदेश स्टेट डेवलपमेंट काउंसिल के सह-अध्यक्ष विनीत नाहटा, अशोक लेलैंड के वाइस प्रेसिडेंट शक्ति सिंह तथा रैडिको खेतान लिमिटेड के डायरेक्टर अमर सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि योगी सरकार में संगठित अपराध अब समाप्त हो चुका है और बेहतर प्रशासन के कारण निवेशकों का विश्वास बढ़ा है, जिसका प्रमाण एमओयू का बड़ी संख्या में वास्तविक परियोजनाओं में परिवर्तित होना है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब रक्षा एवं ड्रोन विनिर्माण क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है और राज्य अब राजस्व अधिशेष की स्थिति में है। एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को दोहराते हुए उन्होंने श्वसुधैव कुटुम्बकम्श् का उल्लेख किया तथा विनोबा भावे के शब्दों को उद्धृत करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के लोगों में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने की क्षमता है। उन्होंने उद्योगपतियों और युवाओं से कहा कि कड़ी मेहनत करें, लेकिन तनाव कम लें और अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

80 से अधिक मेडिकल कॉलेजों की स्थापना का उल्लेख

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मजबूत बुनियादी ढांचा और सुदृढ़ कानून व्यवस्था औद्योगिक विकास की अनिवार्य नींव बन चुकी है। उन्होंने प्रदेश के विस्तृत एक्सप्रेसवे नेटवर्क, निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा 80 से अधिक मेडिकल कॉलेजों की स्थापना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पैरामेडिकल और नर्सिंग संस्थानों का भी तेजी से विस्तार हो रहा है।

एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर योगी सरकार

10 शहरों में बारिश, नदियां उफनाईं बलिया में कटान शुरू

बाराबंकी के 87 गांवों में बाढ़ का खतरा 75 जिलों में अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। शुक्रवार को वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर समेत 10 शहरों में तेज बारिश हुई। लखनऊ, बाराबंकी समेत ज्यादातर शहरों में बादल छाए रहे। बीच-बीच धूप निकली। हल्की ठंडी हवाओं की वजह से गर्मी से राहत मिली।

इस बीच, यूपी में नदियां उफनाने लगी हैं। बलिया और बाराबंकी में सरयू नदी उफान पर है। नदियों के किनारे कटान शुरू हो गया है। बाराबंकी में सरयू खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। कई गांवों में खेत डूब गए हैं। 87 गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है।

बलिया में बाढ़ के खतरे के बीच नदियों के नजदीक बसे गांवों के लोग अपने पक्के मकान तोड़कर दूसरी जगह शिफ्ट हो रहे हैं। बांसडीह में अब तक 150 परिवार घर छोड़ चुके हैं। बिजनौर में मलान नदी का पानी कई जगह छोटे पुलों के ऊपर से बह रहा है।

शुक्रवार सुबह 10.45 बजे बहराइच, गोंडा और आसपास के इलाकों में तेज बारिश हुई। इससे पहले लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, आगरा, बरेली समेत 40 शहरों में बादल छाए रहे। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ धूप निकल आई।

लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर एरिया की वजह से पूर्वी यूपी में बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है।

बारिश की वजह से हादसों में 2 की मौत

इससे पहले, गुरुवार को लखनऊ समेत 25 जिलों बारिश हुई। कानपुर में सबसे ज्यादा 23.8 मिमी. बारिश रिकॉर्ड की गई। झांसी की टहरौली में लोग तिरपाल के नीचे अंतिम संस्कार करते दिखे। कानपुर में तेज आंधी से पेड़ गिर गया। इसके नीचे दबकर HAL सुपरवाइजर की मौत हो गई। देवरिया में बिजली गिरने से 18 साल की युवती की जान चली गई गई।

डीएम की स्वास्थ्य विभाग को दोटूक, एंबुलेंस रिस्पांस टाइम और आयुष्मान कार्ड पर बढ़ेगी निगरानी

‘संचारी रोगों पर नहीं चलेगी लापरवाही’

बैठक

बृजेंद्र वीर सिंह

अम्बेडकर नगर। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति को लेकर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने की। समीक्षा के दौरान संचारी रोग नियंत्रण, आयुष्मान भारत योजना, आभा (ABHA) आईडी, 102 और 108 एंबुलेंस सेवाओं, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और टीकाकरण सहित कई महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को तय समय में लक्ष्यों की पूर्ति और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

> आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत आभा आईडी निर्माण की प्रगति पर भी चर्चा हुई। स्वास्थ्य संस्थानों और संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य में तेजी लाने को कहा गया।

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पात्र लाभार्थियों के शत-प्रतिशत गोल्डन कार्ड बनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र व्यक्ति योजना के लाभ से वंचित नहीं रहने चाहिए।

बैठक में 102 नेशनल एंबुलेंस सेवा और 108 इमरजेंसी मेडिकल ट्रांसपोर्ट सर्विस की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने एंबुलेंस के रिस्पांस टाइम में सुधार लाने, सेवाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने और प्रत्येक आपातकालीन कॉल पर समय से चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने सभी सरकारी अस्पतालों में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के प्रत्येक कार्यक्रम की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और सेवाओं में लगातार सुधार सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें।

डेंगू-मलेरिया रोकथाम के लिए विभागों के बीच समन्वय पर जोर

बैठक में मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, स्क्रब टायफस और लेप्टोस्पाइरोसिस की रोकथाम की तैयारियों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज विभाग, कृषि विभाग और अन्य संबंधित विभागों को संयुक्त रूप से अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान कर समय पर सफाई, एंटी लार्वा छिड़काव, मच्छर एवं चूहा नियंत्रण गतिविधियों और जनजागरूकता कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विशेष जोर दिया।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य और टीकाकरण कार्यक्रमों की हुई समीक्षा

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जननी सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK), विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (SNCU), नियमित टीकाकरण अभियान और आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। इसके लिए विभागीय समन्वय और नियमित समीक्षा को प्राथमिकता दी जाए।

मतदेय स्थलों के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू, हुआ मंथन

1200 मतदाताओं के मानक के आधार पर होगा संभाजन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत जिले में मतदेय स्थलों के संभाजन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधियों और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मतदेय स्थलों के प्रस्तावित पुनर्गठन को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान उपस्थित प्रतिनिधियों से सुझाव और आपत्तियां भी प्राप्त की गईं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक मतदेय स्थल पर अधिकतम 1200 मतदाताओं के मानक को ध्यान में रखते हुए संभाजन की प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ की ओर से निर्धारित समय-सारणी के अनुसार मतदेय स्थलों के संभाजन का आलेख्य प्रकाशन किया गया है। इसके बाद जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर प्रस्तावों पर चर्चा की गई। बैठक में वर्तमान सांसदों, विधायकों और मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

2171 से घटकर 2149 प्रस्तावित होंगे मतदेय स्थल

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में जनपद में कुल 2171 मतदेय स्थल संचालित हैं। संभाजन की प्रक्रिया के बाद 2149 मतदेय स्थल प्रस्तावित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया निर्वाचन आयोग के मानकों के अनुसार की जा रही है, ताकि मतदाताओं को मतदान के दौरान बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

फास्ट न्यूज

मोटर पंप चोरी का 24 घंटे में खुलासा

अम्बेडकर नगर। अहिरौली थाना पुलिस ने विद्युत मोटर पंप चोरी की घटना का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, चोरी की घटना की सूचना मिलने के बाद टीम ने जांच शुरू की और सुराग जुटाने के बाद कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देश और अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) हरेन्द्र कुमार के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई।

सुविधाओं और मानदेय की मांग को लेकर पंचायत सहायकों का प्रदर्शन

अम्बेडकर नगर। जलालपुर विकासखंड में कार्यरत पंचायत सहायकों ने मूलभूत सुविधाओं और लंबित मानदेय भुगतान को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। पंचायत सहायकों ने अपनी समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई की अपील की है।

प्रदर्शन का नेतृत्व पंचायत सहायक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष शुभम यादव ने किया। इस दौरान पंचायत सहायकों ने पंचायत सचिवालयों में जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने और नियमित मानदेय भुगतान की मांग उठाई।

पांच घंटे में मिला लापता अंश

अम्बेडकर नगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र से गुरुवार शाम लापता हुए बालक अंश सिंह को पुलिस ने करीब पांच घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने बालक को सुरक्षित उसके परिवार के सुपुर्द कर दिया। बेटे के मिलने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली।

जानकारी के अनुसार, रतनपुर कांशीराम आवास निवासी अंश सिंह गुरुवार शाम करीब छह बजे अचानक घर से निकल गया था।

टांडा के कपड़ा उद्योग को मिलेगी नई रफ्तार

बुनकरों की समस्याओं पर केंद्र की नजर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। टांडा के प्रसिद्ध टेक्सटाइल उद्योग के विकास को लेकर शुक्रवार को महत्वपूर्ण पहल हुई। भारत सरकार के टेक्सटाइल निदेशक अश्वनी पांडेय और जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने कलेक्ट्रेट सभागार में बुनकरों, उद्यमियों और टेक्सटाइल क्षेत्र से जुड़े लोगों के साथ बैठक कर उद्योग की स्थिति, समस्याओं और विकास की संभावनाओं पर चर्चा की।

बैठक में बुनकरों ने उत्पादन से लेकर विपणन तक आने वाली चुनौतियों को अधिकारियों के सामने रखा। फ्लैट रेट, साइजिंग सुविधा, मार्केटिंग व्यवस्था, यार्न डिपो की स्थापना और तकनीकी सहयोग जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बुनकरों और उद्यमियों ने बताया कि टेक्सटाइल क्षेत्र को आगे बढ़ाने

के लिए बेहतर सुविधाओं और बाजार तक पहुंच की जरूरत है। इस दौरान टेक्सटाइल निदेशक अश्वनी पांडेय ने कहा कि फ्लैट रेट सहित बुनकरों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को शासन स्तर पर रखा जाएगा।

उन्होंने टेक्सटाइल क्षेत्र में तकनीकी सुधार, प्रशिक्षण और गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में काम करने पर जोर दिया। बैठक के बाद टेक्सटाइल निदेशक ने टांडा स्थित नीट्रा (NITRA) ट्रेनिंग सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां उपलब्ध प्रशिक्षण और वस्त्र परीक्षण सुविधाओं की जानकारी ली।

रम्या सिंह की उपलब्धि

21वें दीक्षांत समारोह में मिला कुलाधिपति स्वर्ण पदक, माता ने ग्रहण किया सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। जिले की छात्रा रम्या सिंह ने शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 21वें दीक्षांत समारोह में उन्हें कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। समारोह में रम्या सिंह को एक साथ चार स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

रम्या सिंह देव इंद्रावती ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के प्रबंधक और भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. राणा रणधीर सिंह की पुत्री हैं। दीक्षांत समारोह में उनकी अनुपस्थिति के कारण उनकी माता डॉ. रंजना सिंह ने विश्वविद्यालय की ओर से प्रदान किए गए पदक ग्रहण किए। विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में रम्या सिंह को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

> राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में चार स्वर्ण पदकों से चमकी अम्बेडकर नगर की प्रतिभा

एक साथ चार स्वर्ण पदक प्राप्त करना उनकी मेहनत, नियमित अध्ययन और बेहतर प्रदर्शन को दर्शाता है। रम्या सिंह के समारोह में उपस्थित न होने पर उनकी माता डॉ. रंजना सिंह ने दीक्षांत समारोह में पहुंचकर पदक प्राप्त किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एबी सिंह, राजर्षि टंडन विभागाध्यक्ष बलकरन यादव सहित अन्य शिक्षक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

डॉ. राणा रणधीर सिंह ने कहा, मेहनत और अनुशासन से मिली सफलता

रम्या सिंह की उपलब्धि पर डॉ. राणा रणधीर सिंह ने कहा कि यह परिवार के लिए खुशी का अवसर है। उन्होंने कहा कि रम्या ने अपनी मेहनत, अनुशासन और पढ़ाई के प्रति निरंतर लगाव से यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति गंभीर रहकर नियमित प्रयास करना चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन से न केवल परिवार बल्कि समाज का भी गौरव बढ़ता है।

तक्षशिला अकादमी से उठी विज्ञान की नई पहल

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के लिए छात्रों को किया गया तैयार

तमसा संकेत, संवाददाता

अकबरपुर। राष्ट्रीय स्तर की विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2026–27 में अधिक से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को तक्षशिला अकादमी, लोरपुर में छात्र अभिमुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में छात्रों को परीक्षा की प्रक्रिया, अध्ययन सामग्री, चयन प्रणाली और विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थी विज्ञान मंथन का आयोजन विज्ञान भारती (विभा), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार तथा राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (NCSM), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में किया जाता है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर की विज्ञान गतिविधियों से जोड़ना रहा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और विज्ञान भारती, अवध प्रांत के राज्य समन्वयक नीरज यादव ने कहा कि विद्यार्थी विज्ञान मंथन केवल अंक हासिल करने की परीक्षा नहीं है, बल्कि यह छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, अनुसंधान की सोच और भारतीय वैज्ञानिक विरासत के प्रति जागरूकता विकसित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है।

> अभिमुखीकरण कार्यशाला में पंजीकरण, परीक्षा प्रक्रिया और वैज्ञानिक अवसरों की दी गई जानकारी

रेलवे लाइन के पास मिला शव, टिकरी निवासी 65 वर्षीय रामबली की हादसे में गई जान

मालीपुर में ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

> मृतक के पुत्र सुधीर कुमार ने पुलिस को बताया कि उनके पिता पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रहे थे। पुलिस ने परिजनों से घटना से संबंधित जानकारी ली। पुलिस का कहना है कि हादसे की सभी परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

- ग्रामीणों ने की मृतक की पहचान
- मानसिक रूप से अस्वस्थ थे रामबली
- पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव
- पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। मालीपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम रेलवे लाइन के पास हुए हादसे में एक वृद्ध की मौत हो गई। ट्रेन की चपेट में आने से 65 वर्षीय रामबली निवासी टिकरी की जान चली गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक कुछ समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रहे थे। घटना के बाद पुलिस ने परिजनों से जानकारी लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीणों ने मृतक की पहचान टिकरी गांव निवासी रामबली के रूप में की। पुलिस ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। सूचना मिलने पर मृतक के पुत्र सुधीर कुमार मौके पर पहुंचे और शव की पहचान अपने पिता के रूप में की। मालीपुर पुलिस ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदरपुर मेडिकल कॉलेज, अम्बेडकर नगर की मोर्चरी भेज दिया। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। मालीपुर थाना अध्यक्ष शशांक कुमार शुक्ला ने बताया कि घटना के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। हादसे के बाद क्षेत्र में स्थिति सामान्य रही। पुलिस ने लोगों से रेलवे लाइन पार करते समय सतर्कता बरतने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सूचना देने की अपील की है।

रेलवे लाइन के पास हादसे की मिली सूचना

पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार को पीआरवी टीम को टिकरी गांव के पास रेलवे लाइन पर हादसे की सूचना मिली। घटना रेलवे पोल संख्या 892/03 के आसपास हुई थी। सूचना मिलते ही मालीपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास मौजूद लोगों से जानकारी जुटाई।

बदलाव की नई तस्वीर, छह दरोगाओं समेत 12 पुलिसकर्मियों की बदली तैनाती

चौकी और थानों की जिम्मेदारियों में फेरबदल, एसपी प्राची सिंह ने जारी किया स्थानांतरण आदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। जिले की पुलिस व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित करने के लिए पुलिस विभाग में प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने जनपदीय पुलिस स्थापना बोर्ड की बैठक के निर्णय के आधार पर छह उपनिरीक्षकों और छह आरक्षियों समेत कुल 12 पुलिसकर्मियों के स्थानांतरण का आदेश जारी किया है। सभी स्थानांतरित पुलिसकर्मियों को तत्काल नई तैनाती स्थल पर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं। गुरुवार देर रात जारी आदेश के बाद जिले के कई चौकी प्रभारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव हुआ है। पुलिस विभाग ने इसे प्रशासनिक आवश्यकता के तहत किया गया नियमित फेरबदल बताया है।

स्थानांतरण आदेश के अनुसार, उपनिरीक्षक अजय कुमार त्रिपाठी को प्रभारी चौकी सिविल लाइन,

थाना अकबरपुर से वरिष्ठ उपनिरीक्षक (एसएसआई) थाना राजेसुल्तानपुर भेजा गया है।

उपनिरीक्षक हरिकेश बहादुर को प्रभारी चौकी कस्बा, थाना अलीगंज से प्रभारी चौकी जेल, थाना अकबरपुर की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं उपनिरीक्षक यादव राजेश रामदेव को प्रभारी चौकी जेल, थाना अकबरपुर से हटाकर प्रभारी चौकी कस्बा, थाना अलीगंज भेजा गया है।

उपनिरीक्षक शिवम सिंह को प्रभारी चौकी कम्हरिया घाट, थाना राजेसुल्तानपुर से प्रभारी चौकी सिविल लाइन, थाना अकबरपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उपनिरीक्षक जय प्रकाश यादव को प्रभारी चौकी अरिया, थाना अकबरपुर से प्रभारी चौकी कम्हरिया घाट, थाना राजेसुल्तानपुर भेजा गया है। वहीं उपनिरीक्षक आलोक शुक्ला को थाना भीटी से प्रभारी चौकी अरिया, थाना अकबरपुर की नई जिम्मेदारी मिली है। पुलिस अधीक्षक के आदेश के तहत छह आरक्षियों के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया गया है। हालांकि जारी आदेश में उनके नए तैनाती स्थलों का विवरण अलग से शामिल किया गया है। सभी पुलिसकर्मियों को नई जिम्मेदारी के अनुसार कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

21 जुलाई को गूंजेगा हरिनाम संकीर्तन

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के लिए तैयारियां पूरी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। अकबरपुर शहर में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस्कॉन धनऊपुर की ओर से आयोजित होने वाली रथयात्रा 21 जुलाई, मंगलवार को निकाली जाएगी। वर्ष 2023 से लगातार आयोजित हो रही इस रथयात्रा को इस बार भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया जाएगा।

रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ के दर्शन, हरिनाम संकीर्तन और महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है और आयोजन समिति ने व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया है।

आयोजन समिति ने बताया कि रथयात्रा मंगलवार को रखी गई है। अकबरपुर में मंगलवार को

साप्ताहिक बंदी रहती है, जिससे व्यापारी, नौकरीपेशा लोग और अन्य श्रद्धालु आसानी से कार्यक्रम में शामिल हो सकेंगे।

रथयात्रा के दौरान श्रद्धालु रथ की रस्सी खींचने, हरिनाम संकीर्तन में शामिल होने और महाप्रसाद ग्रहण करने में भाग ले सकेंगे।

कार्यक्रम के अनुसार, 21 जुलाई को दोपहर 2 बजे शहजादपुर-मालीपुर रोड स्थित होटल सिटी पैलेस से रथयात्रा का शुभारंभ होगा। शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और महाआरती के साथ की जाएगी।

सख्ती : आभा आईडी और मातृ-शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों की हुई पड़ताल

स्वास्थ्य योजनाओं की डीएम ने की समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने की। इस दौरान संचारी रोग नियंत्रण, आयुष्मान भारत योजना, आभा (ABHA) आईडी, एंबुलेंस सेवाओं और मातृ-शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने पात्र लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाने की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने पात्र लोगों को योजना का लाभ उपलब्ध कराने के लिए कार्ड निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत आभा आईडी निर्माण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सेवाओं के रिस्पांस टाइम में सुधार लाने को प्राथमिकता देने को कहा। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जननी सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK), विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (SNCU), नियमित टीकाकरण कार्यक्रम और आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान की स्थिति पर भी चर्चा हुई।

एंबुलेंस सेवाओं के रिस्पांस टाइम में सुधार पर जोर

बैठक में 102 नेशनल एंबुलेंस सेवा और 108 इमरजेंसी मेडिकल ट्रांसपोर्ट सर्विस की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने एंबुलेंस सेवाओं की नियमित निगरानी करने और आपातकालीन कॉल पर समय से चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

डेंगू-मलेरिया नियंत्रण के लिए विभागों को दिए निर्देश

बैठक में जिलाधिकारी ने मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, स्क्रब टायफस और लेप्टोस्पाइरोसिस जैसी संचारी बीमारियों की रोकथाम की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने जिला पंचायत राज विभाग, कृषि विभाग और अन्य संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। स्वच्छता अभियान, जलभराव की रोकथाम, एंटी लार्वा छिड़काव, मच्छर और चूहा नियंत्रण गतिविधियों के साथ जनजागरूकता कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।

सड़क सुरक्षा अभियान को मिली रफ्तार

स्कूलों से सड़कों तक चला जागरूकता अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। जिले में सड़क सुरक्षा को जनभागीदारी से जोड़ने की दिशा में शुक्रवार को कई महत्वपूर्ण गतिविधियां आयोजित की गईं। जिला प्रशासन और आईआईटी मद्रास के तकनीकी सहयोग से संचालित अभियान के तहत विद्यालयों, प्रमुख मार्गों और सरकारी विभागों में जागरूकता कार्यक्रमों के साथ सड़क सुरक्षा से जुड़े सुधार कार्य भी आगे बढ़ाए गए। अभियान का उद्देश्य सुरक्षित यातायात व्यवहार को बढ़ावा देना और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। परिवहन विभाग और पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से जनपद के विभिन्न मार्गों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप अभियान चलाया। इस दौरान विद्यार्थियों की साइकिलों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए, ताकि रात के समय उनकी दृश्यता बढ़ सके और दुर्घटनाओं की आशंका कम हो। इसके अलावा सड़क किनारे लगे बैरिकेड्स और अन्य आवश्यक स्थानों पर भी रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे सुरक्षा उपाय कम लागत में सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने में प्रभावी साबित होते हैं। अभियान के तहत जिले के विभिन्न विद्यालयों में सड़क सुरक्षा शपथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट का नियमित उपयोग करने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

सम्पादकीय

घुसपैठियों के मददगार

इसकी आशंका बहुत पहले से थी कि कुछ गिरोह सुनियोजित तरीके से बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को अवैध तरीके से देश में लाने और बसाने का काम कर रहे हैं। गत दिवस प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की ओर से पश्चिम बंगाल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा में कई स्थानों पर छापेमारी करने और घुसपैठ में लिप्त गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करने से यह आशंका सच सिद्ध होती दिख रही है।

इस गिरोह के खिलाफ ईडी ने कार्रवाई इसलिए की, क्योंकि वे विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम यानी एफसीआरए के तहत स्वयं को मिलने वाले पैसे का दुरुपयोग कर रहे थे। वे इस पैसे के जरिये घुसपैठियों को देश में लाकर उन्हें फर्जी पहचान पत्रों से लैस करने के साथ उन्हें देश के अलग-अलग हिस्सों में बसाने और उनकी आजीविका का प्रबंध करते थे।

वे आर्थिक रूप से कितने समर्थ थे, इसे इससे समझा जा सकता है कि उनकी ओर से घुसपैठियों को ई रिक्शा तक दिए जाते थे। स्पष्ट है कि उन्हें बड़ी मात्रा में विदेश से चंदा मिलता था। इसकी पुष्टि इससे भी होती है कि ईडी ने बंगाल के एक मदरसे से 40 लाख रुपये और 180 ग्राम सोने के सिक्के बरामद बरामद किए।

ईडी की कार्रवाई उत्तर प्रदेश के आंतकवाद निरोधक दस्ते की उस प्राथमिकी के तहत हो रही है, जिसमें घुसपैठियों की सहायता करने वाले एक जटिल वित्तीय नेटवर्क का उल्लेख किया गया था। चूंकि इस नेटवर्क में कई तथाकथित कल्याणकारी संस्थाएं शामिल हैं, इसलिए उन सबको न केवल बेनकाब किया जाना चाहिए, बल्कि उन्हें कठोर दंड का भागीदार भी बनाया जाना चाहिए। यह सही समय है कि घुसपैठियों के मददगार अन्य तत्वों के खिलाफ बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्यों के साथ-साथ देश के सभी राज्यों की पुलिस एवं अन्य एजेंसियां भी सक्रिय हों। इसकी आवश्यकता इसलिए है, क्योंकि रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिए देश के करीब-करीब हर राज्य में नजर आते हैं। इन घुसपैठियों ने बंगाल के साथ-साथ पूर्वोत्तर के राज्यों से घुसपैठ करके जिस तरह दिल्ली, जम्मू, हैदराबाद, सूरत आदि में अपने ठिकाने बना लिए, उससे यही पता चलता है कि उन्हें किसी साजिश के तहत सुनियोजित तरीके से लाकर देश भर में बसाया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि उनके हमदर्द भी पैदा हो गए हैं। वे उन्हें देश में रहने देने की वकालत कर रहे हैं। वास्तव में ऐसे ही लोग विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम के नियमों में किए गए संशोधन का विरोध कर रहे हैं। यह समझा जाना चाहिए कि घुसपैठियों की बढ़ती संख्या देश के संसाधनों पर बोझ बनने के साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा भी बन रही है। यह एक तथ्य है कि बड़ी संख्या में घुसपैठिए फर्जी प्रमाण पत्रों के सहारे मतदाता यानी भारतीय नागरिक बन गए हैं।

संघर्ष

जिंदगी जीना आसान नहीं होता हैं । वह बिना संघर्ष कोई भी महान नहीं होता हैं । हथौड़े की चोट जब तक पत्थर पर न पडे तो पत्थर भी भगवान नहीं होता हैं । हमको जिंदगी बहुत कुछ सिखाती हैं । यह हमको कभी हंसाती है कभी रुलाती हैं । वह जो हर हाल में खुश रहते हैं जिंदगी उनके आगे सर झुकाती है। जीवन में संघर्ष तो यदा-कदा करना ही पड़ता हैं । कोई ऐसा नहीं है जिसका जीवन बिन संघर्ष सदा चलता रहे । कोई चाहे हो कितना ही अनुभवी व बुद्धिमान, बिना संघर्ष के थपेड़ों के वह महान बन नहीं सकता हैं । ऐसा कोई सफल व्यक्ति नहीं होगा जिसने जीवन में संघर्षों का सामना नहीं किया होगा। हमारे द्वारा यूं ही बिना संघर्ष के प्राप्त उपलब्धि में वह सुखानुभूति कहां हैं । वहां वास्तविक आनंद की अनुभूति नहीं हैं । संघर्ष विपरीत परिस्थितियों से जूझना व उनसे बाहर निकलना सिखाता हैं । कैसे खुशियों का खजाना ढूंढना यह हमको राह दिखाता है । संघर्ष ऊर्जा देता हैं और विश्वास की कमी, अवसाद, भय आदि- आदि से सफलतापूर्वक लड़ना सिखाता हैं । वह जीवन में मनुष्य के प्रारब्ध को निखार कर समृद्धि और संपन्नता लाता हैं । इसीलिए यह शतप्रतिशत सही हैं किसी कवि के ये उद्गार कि संघर्ष जीवन का वास्तविक श्रृंगार हैं । हमको जीवन में समय-समय पर आने वाले संघर्ष के दौर सीखाते हैं कि कैसे विपरीत परिस्थितियों पर सकारात्मक गौर किया जाए । जैसे कच्ची मिट्टी की मूरत आग में तप कर उत्कृष्ट सूरत बन जाती है वैसे ही जीवन के संघर्ष हमें श्रेष्ठता का स्पर्श कराते हैं। हमारे जीवन में समय-समय पर आने वाले संघर्षों की चुनौती हमें भीतर छुपी अद्वितीय क्षमता को पहचानने की शक्ति देती हैं । माना कि जीवन एक संघर्ष है । यह हमको जीवन में कदम-कदम पर सिखाया जाता है कि जीवन एक संघर्ष है। पर यदि यही मान कर चलेंगे तो कहीं नहीं पहुंच पाएगे, संघर्ष ही करते रह जाएंगे। अतः सही रास्ता हैं संघर्ष को हम अजेय समझ कर न चलें। मन से असंभव शब्द निकाल दें और यथाशक्ति प्रयत्न करते रहें। वह फिर हम देखेंगे कहीं न कहीं कभी न कभी राह हमको मिलेगी । विजय हमारी होगी ।

› प्रदीप छाजेड़

नीरस बहस नहीं, ठोस फैसला घुसपैठियों के लिए अल्टीमेटम

पासपोर्ट पर भ्रम खत्म

66 व्यापक सामाजिक व कानूनी निहितार्थ भी हैं। यह कदम सख्ती का कट्टर रूप नहीं, बल्कि पहचान के मानकीकरण की दिशा में पहला आवश्यक चरण है। नागरिकता के प्रमाण की प्रक्रिया में पारदर्शिता और दस्तावेजीय सत्यापन का महत्व बढ़ेगा।

देश का संवैधानिक और कानूनी आधार साफ होना देशहित में है। 24 जून को 14वें ₹पासपोर्ट सेवा दिवस₹ पर विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा दिये गये स्पष्ट शब्द — ₹भारतीय पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है, यह केवल यात्रा दस्तावेज है₹ — युक्तिसंगत, कानूनी और आवश्यक हैं। यह निर्णय न तो नया कानून है, न ही अचानक बनी नीति; यह तो वही पुराना कानून और न्यायिक दृष्टि जनता के सामने रख देना है जिसे समय से छुपाया गया या सुविधानुसार तिरोहित कर दिया गया था और यही सहजता इसे अनुच्छेद 370 हटाने जैसे बड़े राजनीतिक कदम से भी व्यापक बनाती है: एक राज्य की विशेष स्थिति खत्म करने से अलग, यह फैसला पूरे देश में बैठे उन लाखों अवैध व वाकई-नागरिकों के प्रश्नचिह्न पर असर डालता है।

सबसे पहले तथ्य स्पष्ट कर दूँ : पासपोर्ट अधिनियम 1967 की धारा 20 में स्पष्ट प्रावधान है कि केन्द्र सरकार आवश्यकता पड़ने पर गैर-नागरिकों को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है, यानी कानून हमेशा मानता रहा है कि पासपोर्ट और नागरिकता अलग-अलग अवधारणा हैं। 2013 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी इसी बात को न्यायिक रूप से स्थापित किया। सवाल यह नहीं कि सरकार ने नयी समझ दी, बल्कि यह है कि अब सरकार ने वही कानूनी सच्चाई सार्वजनिक कर दी और उसकी सीमाओं को स्पष्ट कर दिया — और यही पारदर्शिता लोकतंत्र के लिए अच्छी खबर है। विरोधियों की परवाह के बिना सच बोलना कठिन होता है पर जरूरी भी। जो लोग चिल्ला रहे हैं कि यह कदम ₹असली भारतीयों₹ को निशाना बनाएगा, उन्हें ठोस तर्क से जवाब दिया जाना चाहिए। भारतीय नागरिकता का निर्धारण नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत होता है — जन्म स्थान, जन्म तिथि, माता-पिता की नागरिकता, जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल के रिकॉर्ड, जमीन के कागजात और सरकारी रिकॉर्डों की एक परम्परागत श्रृंखला से। अधिकतर सच्चे नागरिकों के पास यही इतिहास और दस्तावेजों की सततता होती है; वही नागरिकता की वैधता साबित करते हैं। दूसरी ओर अवैध प्रवासी — जिनके पास नकली आधार, नकली वोटर कार्ड और बनावटी दस्तावेज होते हैं — उनका प्रमाणिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं रहता। पासपोर्ट दिखाने का जो समतुल्य तर्क विरोधी उठाते हैं, वह इसलिए खोखला है क्योंकि पासपोर्ट कभी-कभी बिना नागरिकता की गारण्टी के भी दिया जाता रहा है; पासपोर्ट रद होने पर भी नागरिकता स्वतः समाप्त नहीं हो जाती — यह नैतिक और कानूनी भेद स्पष्ट करता है। राजनीतिक प्रासंगिकता भी स्पष्ट है। दशकों से कुछ पार्टियाँ ठोस प्रमाणीकरण (वेरिफिकेशन) के बिना न केवल प्रवासियों को सहारा देती रहीं बल्कि उन्हें वोट बैंक में बदलने की रणनीति अपनाती रहीं। जब देश के कानून और रिकॉर्ड की विश्वसनीयता चुनौतियों में होगी, तो लोकतंत्र की निर्णय-प्रक्रिया पर असर पड़ेगा। अब यदि सरकार पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण नहीं मानती तो वही राजनीतिक चक्र टूटने की ओर बढ़ेगा जो बिना दस्तावेज़ीय सत्यापन के चुनावी लाभ उठाता आया है। यही वजह है कि विरोधी गुटों की बेचैनी इतनी तेज दिखाई दे रही है क्योंकि इस एक स्पष्टीकरण से उनके कई ऐतिहासिक दाँव-पर-दाँव टिक नहीं रहेंगे।

इसके चलते प्रशासनिक प्रणालियों — एनपीआर, स्मार्ट बॉर्डर्स, जनगणना — के साथ तालमेल बैठाकर वास्तविकता पर आधारित नीति बनायी जा सकेगी। असली प्रश्न यह है कि कैसे देश अवैध प्रवास नियंत्रित करे, पश्चात् उनकी तय प्रक्रिया के माध्यम से मानवाधिकार और संवैधानिक सुरक्षा भी सुनिश्चित करे। कड़े कदम उठाने की बजाय, सटीक पहचान, दस्तावेज़ों की वैरिफिकेशन, और कानूनी प्रक्रिया—यही सन्तुलित रास्ता होना चाहिए। विरोधियों को दिये जाने योग्य सख्त, लेकिन युक्तिसंगत जवाब भी साफ होने चाहिए : पहला, पासपोर्ट किसी का नागरिकता का प्रमाण नहीं है — यह क़ानून और उच्च न्यायालय की स्थिति है। दूसरा, यदि किसी के पास नागरिकता साबित करने के पर्याप्त दस्तावेज़ हैं तो उन्हें डरने की जरूरत नहीं। तीसरा, जो लोग वोट बैंक की राजनीति कर रहे थे, वे अब जवाब दें कि क्या वे एक सुरक्षित और सार्वभौमिक पहचान प्रणाली के विरुद्ध हैं या अवैध प्रवास की नीति के समर्थन में? चौथा, मानवाधिकार और संवैधानिक प्रक्रियाओं का ख्याल रखते हुए ही नियम लागू होंगे — इसलिए आरोप-प्रत्यारोप के बजाय विरोधियों को पारदर्शिता और वैधता की बात स्वीकार करनी चाहिए।

निहितार्थ यह भी है कि यह कदम आत्मसमीक्षा का आमंत्रण है — सरकार और विपक्ष दोनों के लिए। सरकार को यह भरोसा देना होगा कि सत्यापन मानवीय तरीके से और यथोचित समय में होगा; विपक्ष को चाहिए कि वह ध्वनि-राजनीति की जगह तर्क और वैकल्पिक नीति प्रस्ताव रखे। यदि हम संवैधानिक व्यवस्था, कानून और नागरिक सुरक्षा को प्राथमिकता दें, तो यह स्पष्टीकरण देश को सशक्त बनाएगा, केवल किसी एक दल के नहीं बल्कि पूरे गणतंत्र के हित में।

निष्कर्षतः यह निर्णय किसी भी तरह की ₹शॉर्टकट₹ नीतियों का संकेत नहीं है; यह केवल एक बीज है—कानून के अनुरूप पहचान की साफ-सुथरी परिभाषा का बीज। जो लोग इसे घोर अभियान या चुनिन्दा निशाना बताकर शोर मचाएँगे, उन्हें याद रखना चाहिए :- देश का हित, कागज़ों की सत्यता और संविधान का आदर बड़े बयानबाज़ी से कहीं ऊपर है और जब देश के कानूनी वास्तविकताओं को बिना जुमलों के सामने रखा जाए, तो वही लोकतंत्र की जीत होती है।

डॉ० मत्स्येन्द्र प्रभाकर

विचारणीय तथ्य तो ...

विद्यावाचस्पति उदयराज मिश्र

प्रतिभा को भ्रष्टाचार की दासी बनाते युवा अधिकारी

भारत की शिक्षा परंपरा में ज्ञान का उद्देश्य केवल बुद्धि का विकास नहीं, बल्कि चरित्र का निर्माण है। यदि विद्या विनय, सत्यनिष्ठा, सेवा और आत्मसंयम न दे, तो वह समाज के लिए कल्याणकारी नहीं रह जाती।ऐसी शिक्षा बुद्धि का विकास तो कर सकती है किंतु चरित्र निर्माण में असफल रहती है।कहना अनुचित नहीं होगा कि आज का भारत इसी गंभीर संकट से जूझ रहा है—जहाँ अनेक युवा अधिकारी बौद्धिक रूप से अत्यंत समृद्ध हैं, परंतु उनमें से कुछ नैतिकता की परीक्षा में असफल सिद्ध हो रहे हैं,जोकि प्रतिभा के समक्ष चरित्र की पराजय होती प्रतीत होती है।

ज्ञातव्य है कि देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाएँ उत्तीर्ण करके प्रशासनिक सेवाओं में आने वाले युवा अधिकारी असाधारण प्रतिभा के धनी होते हैं। लाखों अभ्यर्थियों में चयनित होकर वे शासन व्यवस्था का नेतृत्व करते हैं। समाज उन्हें आदर्श मानता है। किंतु जब यही अधिकारी रिश्वत, कमीशन, अवैध वसूली, बेनामी संपत्ति और सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों में घिर जाते हैं, तब केवल उनका व्यक्तिगत पतन नहीं होता, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। आचार्य चाणक्य ने अर्थशास्त्र में लिखा है—

यथा जलस्थो मत्स्यो जलं पिबन् न दृश्यते,
तथा राजकर्मचारी धनहरणं करोति।

अर्थात जैसे जल में रहने वाली मछली कब पानी पी जाती है, यह जानना कठिन है; उसी प्रकार राजकर्मचारी कब सार्वजनिक धन का दुरुपयोग कर ले, इसका पता लगाना भी कठिन होता है। इसलिए चाणक्य ने कठोर निरीक्षण, लेखा-परीक्षण और दण्ड व्यवस्था को सुशासन की अनिवार्य शर्त माना।यहीकारण है कि संविधान में विभिन्न स्तरों पर ऑडिट और जांच करने का प्रावधान भी किया गया है।

विचारणीय तथ्य तो यह है कि आज अनेक सरकारी कार्यालयों में कुछ अधिकारियों के लिए रिश्वत एक ₹सुविधा शुल्क₹ बन चुकी है। कहीं फाइल आगे बढ़ाने की कीमत तय है, कहीं भूमि अभिलेखों के संशोधन की, कहीं निर्माण स्वीकृति की, कहीं सरकारी भुगतान की और कहीं स्थानांतरण या लाइसेंस की। सबसे अधिक पीड़ित वह सामान्य नागरिक होता है जो अपने वैधानिक अधिकार के लिए भी अपमान और आर्थिक शोषण सहने को विवश होता है।इस संदर्भ में वर्ष 2024 की राजस्थान प्रशासनिक सेवा की टॉपर काजल मीणा का महज दो वर्ष की सेवा के अंदर ही एक लाख रुपए रिश्वतखोरी में जेल जाना स्वयं में एक उदाहरण भी है और प्रशासनिक अधिकारियों के शीघ्रातिशीघ्र येन केन धनी बनने के चक्कर में उनके भ्रष्टाचारों की बानगी भी है,गवाह भी है,जोकि चिंताजनक है।

दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में देश ने ऐसे कई चर्चित मामले देखे हैं जिन्होंने यह सोचने पर विवश कर दिया कि क्या कठिन परीक्षा पास कर लेना ही नैतिक श्रेष्ठता का प्रमाण है? झारखंड की आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल के विरुद्ध धनशोधन और कथित अनियमितताओं के मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई, भारी मात्रा में नकदी की बरामदगी तथा संपत्तियों की कुर्की ने पूरे देश को झकझोर दिया। मामले में न्यायिक प्रक्रिया अभी जारी है, इसलिए अंतिम निर्णय न्यायालय को करना है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ के आईएएस अधिकारी समीर विश्नोई को कथित कोयला लेवी प्रकरण में केंद्रीय एजेंसियों ने गिरफ्तार किया था। इस प्रकरण की न्यायिक प्रक्रिया भी अभी जारी है। ऐसे मामलों में दोष या निर्दोष होने का अंतिम निर्णय न्यायालय ही करता है, किंतु इन घटनाओं ने प्रशासनिक नैतिकता पर व्यापक बहस अवश्य छेड़ी।इन घटनाओं का उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष की निंदा नहीं, बल्कि उस प्रवृत्ति की पहचान करना है जिसमें लोकसेवा का पद जनकल्याण के स्थान पर निजी संपत्ति अर्जित करने का साधन बन जाता है। करोड़ों युवाओं का सपना बनने वाली प्रशासनिक सेवा जब कुछ व्यक्तियों के आचरण के कारण विवादों में आती है, तब सबसे अधिक पीड़ा उन हजारों ईमानदार अधिकारियों को होती है जो निष्ठापूर्वक जनता की सेवा कर रहे हैं।

लोभः पापस्य कारणम्।

लोभ ही अधिकांश अधर्मों की जड़ है। जब अधिकारी का लक्ष्य सेवा से हटकर संग्रह बन जाता है, तब न्याय बिकने लगता है, नियम झुकने लगते हैं और जनता का विश्वास टूटने लगता है।भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं—

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः। (गीता 3.21)

श्रेष्ठ व्यक्ति जैसा आचरण करता है, समाज उसका अनुसरण करता है। यदि युवा अधिकारी ईमानदारी का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे तो अधीनस्थ कर्मचारी भी प्रेरित होंगे; यदि वे स्वयं भ्रष्टाचार में लिप्त होंगे तो व्यवस्था का नैतिक आधार कमजोर पड़ जाएगा।

यह योजना ...

निधि वर्मा

मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना आधुनिक डेयरी से प्रतापगढ़ के पशुपालक श्री शिवम सिंह ने लिखी आत्मनिर्भरता की नई इबारत

भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुपालन सदियों से किसानों की आय का महत्वपूर्ण आधार रहा है। बदलते समय के साथ वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन, उच्च उत्पादकता वाली स्वदेशी नस्लों का संरक्षण तथा आधुनिक तकनीकों का समावेश इस क्षेत्र को नए आयाम दे रहा है। ऐसे समय में उत्तर प्रदेश सरकार माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में डेयरी क्षेत्र को संगठित, वैज्ञानिक और लाभकारी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी उद्देश्य से नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत संचालित मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना ग्रामीण युवाओं और किसानों के लिए आर्थिक सशक्तीकरण का प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है।

यह योजना केवल डेयरी इकाइयों की स्थापना तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों को आधुनिक पशुपालन अपनाने, स्वदेशी गोवंश के संरक्षण को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने का सशक्त अभियान है। योजना के माध्यम से सरकार आर्थिक सहायता, तकनीकी मार्गदर्शन और वैज्ञानिक डेयरी प्रबंधन को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

इस योजना की सफलता का प्रेरक उदाहरण जनपद प्रतापगढ़ के युवा किसान एवं पशुपालक श्री शिवम सिंह हैं। वर्ष 2024-25 में योजना के लिए चयनित होने के बाद उन्होंने पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक डेयरी व्यवसाय को अपनाने का निर्णय लिया। सरकार के सहयोग से उन्होंने प्रदेश के बाहर से साहीवाल एवं गिर नस्ल की 10 उच्च दुग्ध उत्पादन क्षमता वाली स्वदेशी गायें खरीदकर आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित की। परियोजना लागत का 50 प्रतिशत तक सरकारी अनुदान मिलने से आर्थिक बोझ काफी कम हुआ और आधुनिक डेयरी व्यवसाय शुरू करने का उनका सपना साकार हो सका।

सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए तकनीकी मार्गदर्शन और वैज्ञानिक प्रबंधन पद्धतियों को अपनाने का परिणाम शीघ्र ही दिखाई देने लगा। आज उनकी डेयरी से प्रतिदिन औसतन 110 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है तथा उनकी वार्षिक आय लगभग 19 लाख रुपये तक पहुँच गई है। डेयरी व्यवसाय ने उन्हें स्थायी और सम्मान-जनक स्वरोजगार प्रदान करने के साथ-साथ परिवार की आर्थिक स्थिति को भी सुदृढ़ बनाया है। उनकी सफलता से आसपास के अन्य किसान और युवा भी आधुनिक पशुपालन की ओर प्रेरित हो रहे हैं।

शिवम सिंह का मानना है कि यदि उन्हें मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना का लाभ न मिला होता, तो इतनी कम अवधि में आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित करना संभव नहीं था। वे अपनी इस सफलता का श्रेय माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के दूरदर्शी नेतृत्व, नन्द बाबा दुग्ध मिशन तथा प्रदेश सरकार की किसान हितैषी नीतियों को देते हैं।

मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना के अंतर्गत 10 स्वदेशी गायों पर आधारित हाईटेक डेयरी इकाई की स्थापना के लिए 23.60 लाख रुपये की परियोजना लागत निर्धारित की गई है।

जरा हटके

अमेठी में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान ला रहा सकारात्मक बदलाव

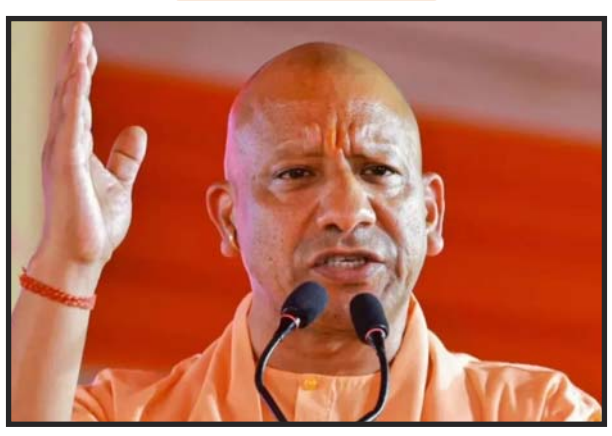

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की संकल्पना है कि प्रदेश का प्रत्येक युवा आत्मनिर्भर बने और स्वरोजगार के माध्यम से न केवल अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करे, बल्कि समाज के अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर उत्पन्न करे। इसी दूरदर्शी सोच को धरातल पर उतारने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' आज प्रदेश के हजारों युवाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है। राज्य सरकार के प्रभावी निर्देशन और जिला प्रशासन के सक्रिय मार्गदर्शन में जनपद अमेठी में यह योजना युवाओं को स्वरोजगार की राह पर तेजी से अग्रसर कर रही है। सरकारी प्रोत्साहन और सही मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप अमेठी में अनेक युवा रोजगार प्रदाता बन रहे हैं। इन्हीं सफल उद्यमियों में से एक हैं जनपद अमेठी की गौरीगंज निवासी पल्लवी शुक्ला, जिन्होंने अपने अथक परिश्रम और प्रदेश सरकार की इस कल्याणकारी योजना के सहयोग से सफलता की एक नई कहानी लिखी है। एक समय ऐसा था जब शिक्षा पूरी करने के बाद पल्लवी शुक्ला आत्मनिर्भर बनने का कोई ठोस एवं प्रभावी माध्यम तलाश रहीं थीं। इसी दौरान प्रदेश सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन एवं उद्योग विभाग द्वारा गौरीगंज के पंचायत भवन कार्यालय में युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। पल्लवी ने भी इस शिविर में भाग लिया, जहां उन्हें मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। शिविर में उपस्थित विभागीय अधिकारियों द्वारा योजना के उद्देश्यों, पात्रता शर्तों, सरल आवेदन प्रक्रिया, बैंक ऋण सुविधा, ब्याज अनुदान तथा उद्यम स्थापना की असीम संभावनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। सरकारी योजना की सरल प्रक्रिया को समझकर पल्लवी को साहस मिला और उन्होंने नौकरी के बजाय स्वरोजगार के क्षेत्र में कदम बढ़ाने का दृढ़ निश्चय किया। किसी भी व्यवसाय की सफलता के लिए बाजार की समझ आवश्यक होती है, इसे ध्यान में रखते हुए पल्लवी ने स्थानीय बाजार की मांग और आवश्यकताओं को समझा और एक नूडल्स निर्माण इकाई स्थापित करने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने इस सपने को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के

अंतर्गत पांच लाख रुपये के ऋण हेतु ऑनलाइन आवेदन किया। जिला प्रशासन के त्वरित सहयोग और पारदर्शी प्रक्रिया के चलते पल्लवी का आवेदन उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की गौरीगंज शाखा के माध्यम से शीघ्र ही स्वीकृत हो गया और उन्हें पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। ऋण राशि प्राप्त होते ही पल्लवी ने योजनाबद्ध तरीके से अपनी इकाई की स्थापना का कार्य प्रारंभ कर दिया। उन्होंने उत्पादन के लिए आवश्यक आधुनिक मशीनरी, उपकरण, फर्नीचर तथा कच्चे माल की खरीद की। उन्होंने व्यवसाय संचालन के लिए सभी बारीकियों को समझा , बाजार की आवश्यकताओं को समझा, मशीनों के संचालन को सीखा और व्यवसायिक व्यवहारिकता को भी अपनाया। पल्लवी के अथक प्रयास से कुछ ही समय में नूडल्स निर्माण इकाई ने नियमित उत्पादन प्रारंभ कर दिया। शुरुआत में बाजार में उत्पाद की बिक्री सीमित थी, लेकिन उन्होंने अपने उत्पाद की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और स्थानीय स्तर पर इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया। प्रदेश सरकार द्वारा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के वातावरण का भी उन्हें लाभ मिला। धीरे-धीरे स्थानीय बाजार में लोगों का विश्वास उनके उत्पाद के प्रति बढ़ता गया और नूडल्स की मांग में निरंतर वृद्धि होने लगी। आज गौरीगंज के सुल्तानपुर रोड पर स्थित उनकी यह इकाई पूरी क्षमता के साथ सफलतापूर्वक संचालित हो रही है और स्थानीय बाजार में अपनी एक विशिष्ट पहचान बना चुकी है।

पल्लवी शुक्ला का स्पष्ट मानना है कि उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान ने उनके जीवन को एक नई दिशा और सार्थक उद्देश्य दिया है। जहां उनके पास पहले रोजगार की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं थी, वहीं आज वे एक सफल और गौरवान्वित उद्यमी के रूप में कार्य कर रही हैं। उनके इस उद्यम से होने वाली नियमित आय ने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहद मजबूत बना दिया है। आज वे अपने परिवार और अपने ऊपर आश्रित लोगों का भरण-पोषण अत्यंत बेहतर और सम्मानजनक ढंग से कर पा रही हैं। इस पूरी सफलता का सबसे महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी पहलू यह है कि पल्लवी ने केवल अपने लिए ही रोजगार प्राप्त नहीं किया, बल्कि स्थानीय स्तर पर अन्य लोगों को भी रोजगार से जोड़ा है। वर्तमान में उनकी नूडल्स निर्माण इकाई में तीन स्थानीय लोगों को नियमित रूप से रोजगार प्राप्त हुआ है। इससे न केवल पल्लवी के परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है, बल्कि जनपद में स्थानीय रोजगार सृजन को भी प्रत्यक्ष बल मिला है। यह उपलब्धि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस मूल अवधारणा को भी सशक्त करती है, जिसमें राज्य सरकार का लक्ष्य एक ऐसे युवा समाज का निर्माण करना है जो स्वयं के साथ-साथ समाज के अन्य नागरिकों को भी आत्मनिर्भर बनाने में अपना सक्रिय योगदान दे।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का दायरा केवल युवाओं को बैंक ऋण उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं के भीतर छिपी उद्यमिता की भावना को जागृत करना, प्रदेश के हर जिले में स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित करना तथा राज्य की अर्थव्यवस्था को एक नई मजबूती प्रदान करना है। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित यह अभियान युवाओं को बिना किसी आर्थिक बाधा के अपना व्यवसाय प्रारंभ करने का एक स्वर्णिम अवसर प्रदान करता है। योजना के तहत समय पर ऋण का भुगतान करने वाले लाभार्थियों को सरकार की ओर से ब्याज में विशेष रियायत और प्रोत्साहन भी दिया जाता है, जिससे युवाओं में वित्तीय अनुशासन की प्रवृत्ति विकसित होती है और वे अपने व्यवसाय को अधिक व्यवस्थित व पेशेवर तरीके से संचालित कर पाते हैं।

निवेश, नवाचार और रोजगार को मिलेगी नई उड़ान, खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र पर सरकार का विशेष फोकस

खाद्य प्रसंस्करण में निवेश से किसानों की आय बढ़ेगी

निर्देश

- विकसित उत्तर प्रदेश की दिशा में बड़ा कदम- खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की 09 परियोजनाओं को मिली संस्तुति
- 99 प्रतिशत लोन डिस्बर्समेण्ट के साथ पी०एम०एफ०एम०ई० में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर

बैंकर्स के साथ बैठक संपन्न, बैंकर्स से प्राप्त आवेदनों के निस्तारण हेतु अपेक्षा की गयी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जो किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन तथा युवाओं के लिए व्यापक रोजगार अवसर उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एक प्रभावी माध्यम सिद्ध होगा। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार औद्योगिक विकास एवं हरित ऊर्जा को समान प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। सौर ऊर्जा आधारित औद्योगिक मॉडल भविष्य की आवश्यकता है, जो उद्योगों को लागत में राहत देने के साथ आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

बैठक के दौरान श्री मीणा द्वारा बताया गया कि 99 प्रतिशत लोन डिस्बर्समेण्ट के साथ पी०एम०एफ०एम०ई० में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। बताया गया कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 अंतर्गत लेटर आफ कम्फर्ट औसतन 20 दिनों में निर्गत हो रहे हैं और स्वीकृत इकाईयां औसतन 200 दिनों में क्रियाशील हो रही हैं,जो पूर्व में 500 दिनों में होती थी। पी०एम०एफ०एम०ई० योजना की समीक्षा एवं बैकर्स के साथ बैठक में अध्यक्ष द्वारा माह जुलाई अंत तक 31000 स्वीकृत परियोजनाओं के लक्ष्य को प्राप्त करने के निर्देश दिए गये।

अधिकारियों को निर्देशित किया गया

उप मुख्यमंत्री मौर्य ने उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत उपलब्ध प्रोत्साहनों, अनुदानों एवं निवेश सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक उद्यमी प्रदेश में निवेश के लिए आगे आएं तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सके। इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग श्री बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में गठित एप्रेजल समिति की बैठक शुक्रवार को आयोजित की गई। बैठक में प्राप्त 11निवेश प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा एवं परीक्षण किया गया तथा निर्धारित शर्तों के साथ 9 को स्वीकृति हेतु संस्तुत किया गया। अप्रेजल समिति द्वारा रू0 70 करोड़ के 09 पूर्ण प्रस्तावों को सशर्त एस.एल.ई.सी. के समक्ष प्रस्तुत किये जाने की संस्तुति की गयी। जनपद बरेली से 02, कानपुर नगर से 1, ललितपुर से 01, गोरखपुर से 02, बदायूँ से 01, लखनऊ से 01 एवं हापुड़ से 01 प्रस्ताव की संस्तुति की गयी।

- स्वीकृत इकाईयों औसतन 200 दिनों में क्रियाशील ,जो पूर्व में 500 दिनों में होती थी।
- गोरखपुर की इकाई क्रेजी स्नैक्स प्रा०लि० बी०एस०ई० में आई०पी०ओ० सहित लिस्टेड

एक और इंटरनेशनल कॉल सेंटर पर छापा

ओमैक्स अपार्टमेंट से 7 लोग हिरासत में

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ क्राइम ब्रांच ने गुरुवार रात 1 बजे से शुक्रवार तड़के 5 बजे के बीच सुशांत गोल्फ सिटी के ओमैक्स अपार्टमेंट में इंटरनेशनल कॉल सेंटर पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कई इलेक्ट्रॉनिक मशीन बरामद की हैं। 7 लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। एडीसीपी (क्राइम) किरण यादव ने बताया कि क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि ओमैक्स अपार्टमेंट में कई कॉल सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। मामला अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर से जुड़ा होने के कारण देर रात दबिश देकर कार्रवाई की गई।

रात में पहुंचकर पुलिस और क्राइम की टीम ने अपार्टमेंट में छापेमारी की। रात में पहुंचकर पुलिस और क्राइम की टीम ने अपार्टमेंट में छापेमारी की। पुलिस के मुताबिक,

मौके से बड़ी संख्या में कंप्यूटर, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक मशीन बरामद हुई हैं। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है। इन लोगों में पुनीत वर्मा और देवेंद्र पटेल मुख्य हैं। इन लोगों ने कबूला है कि ठगी किया करते थे। एडीसीपी ने बताया कि पूरे मामले की जांच जारी है। पूछताछ और डिजिटल साक्ष्यों की जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभी तक की पूछताछ में पता चला है कि कस्टमर सपोर्ट सर्विस के नाम पर लोगों को ठगते थे। इनको ऑनलाइन ट्रांसफर्ड कॉल आते थे।

फास्ट न्यूज

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे पर कंफ्यूजन में घुस रहे बाइक सवार

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर बाइकसवारों की एंट्री बंद नहीं हो रही है। बाइकसवार कंफ्यूजन में एक्सप्रेसवे पर चढ़ जाते हैं। एंट्री करने पर उन्हें चेतावनी बोर्ड नहीं आता क्योंकि यह एक बड़े बोर्ड के पीछे छिपाकर रखा है। पुलिस की गाड़ी एंट्री पर खड़ी रहती है। कुछ पुलिसवाले भी बाइकसवारों को एक्सप्रेसवे पर चढ़ते देखते रहते हैं लेकिन रोकते नहीं हैं।

लखनऊ में दरोगा का शव कार में मिला

दुबग्गा। लखनऊ के गाजीपुर थाने में तैनात दरोगा अजय सिंह (34) का शव शुक्रवार को कार में पड़ा मिला। बताया जा रहा है कि यह कार गुरुवार शाम से ही वहां खड़ी थी। घटनास्थल, मोहान रोड स्थित अर्श हॉस्पिटल है। यहीं पर दरोगा की सेंट्रो कार खड़ी मिली। पुलिस के मुताबिक, वह गुरुवार दोपहर से ही चौकी के संपर्क में नहीं थे। पुलिसकर्मियों ने कई बार उन्हें फोन किया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। इसके बाद पुलिस ने मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की। लोकेशन के आधार पर टीम मौके पर पहुंची तो सड़क किनारे खड़ी सेंट्रो कार के अंदर दरोगा अजय कुमार अचेत अवस्था में मिले।

लखनऊ में जन्मदिन पर युवक ने लगाई फांसी

लखनऊ। लखनऊ के चिनहट में 27 वर्षीय युवक ने अपने जन्मदिन पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन उसे गंभीर हालत में फंदे से उतारकर निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार युवक पिछले कई दिनों से मानसिक तनाव में था। मृतक की पहचान आकाश वाल्मीकि पुत्र भंडारी लाल के रूप में हुई है।

वर्तमान समय तकनीक के तेजी से विकास का दौर : महाना

- नई पीढ़ी को तकनीक और लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ कदमताल करना होगा - सतीश महाना

विधानसभा को देखकर बच्चों ने कहा - 'अमेजिंग'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के भ्रमण पर आए कानपुर स्थित सर पदमपत सिंघानिया एजुकेशन सेंटर के छात्र-छात्राओं ने विधानसभा की भव्यता, कार्यप्रणाली और लोकतांत्रिक व्यवस्था को करीब से देखकर अपने अनुभव साझा किए। जब विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी ने बच्चों से पूछा कि आपको विधानसभा कैसी लगी, तो छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक कहा — "अमेजिंग।" इस अवसर पर श्री सतीश महाना जी ने बच्चों से संवाद करते हुए कहा कि वर्तमान समय तकनीक के तेजी से विकास का दौर है। आज 5वीं जेनरेशन की तकनीक का उपयोग हो रहा है और नई पीढ़ी को भी तकनीकी बदलावों के साथ निरंतर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा, ज्ञान और जागरूकता ही युवाओं को सशक्त बनाती है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति जितने बड़े पद पर होता है, उसके प्रति उतनी ही अधिक अपेक्षाएं और विरोध भी होते हैं। यदि कोई विद्यार्थी पढ़ाई में आगे बढ़ता है तो कई बार उसका विरोध भी होता है, लेकिन सफलता के लिए आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास जरूरी है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधायिका की छवि को लेकर कई बार गलत धारणाएं बनाई जाती हैं, जबकि विधानसभा प्रदेश के 25 करोड़ लोगों के हितों के लिए कार्य करती है।

सभी जनप्रतिनिधियों की अपनी-अपनी भूमिका होती है। उन्होंने बच्चों को विधानसभा की कार्यप्रणाली, प्रश्नकाल, चर्चा और जनहित के मुद्दों पर होने वाले कार्यों की जानकारी दी।

महाना ने कहा कि किसी भी संस्था या व्यवस्था के बारे में बिना जाने कोई धारणा नहीं बनानी चाहिए। किसी को जबरन खराब नहीं कहा जाना चाहिए, बल्कि वास्तविकता को समझने के बाद ही विचार बनाना चाहिए।

लखनऊ में डिप्टी सीएम बोले- भारत में ट्रेनें हाइड्रोजन से चलती रहेंगी

'होर्मुज रहे या न रहे पेट्रोल डीजल मिले या न मिले'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के 75 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। इसी कड़ी में पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल स्थित ऐशबाग जंक्शन के आधुनिकीकृत स्टेशन का भी लोकार्पण होगा।

इससे पहले डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ऐशबाग जंक्शन पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा, हॉर्मुज रहे या न रहे, पेट्रोल-डीजल मिले या न मिले, भारत में ट्रेनें हाइड्रोजन से चलती रहेंगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज

वर्चुअल माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों में तैयार किए गए अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। ऐशबाग जंक्शन भी इन्हीं प्रमुख स्टेशनों में शामिल है, जहां यात्रियों को आधुनिक और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

डिप्टी सीएम बोले- आने वाले समय में ट्रेनें चलती रहेंगी, चाहे होर्मुज रहे या ना रहे।

"ऐशबाग जंक्शन पर आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, रेलवे अधिकारियों, गणमान्य अतिथियों तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की मौजूदगी रही। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों की जानकारी भी साझा की गई।

पीढ़ियों को अनपढ़ रखने की भाजपाई जिद का परिणाम है जौहर यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई: संजय सिंह

लाखों स्कूल बंद, सवा लाख स्कूलों में एक शिक्षक : संजय

- युवाओं को जाहिल बनाना चाहती है मोदी-योगी सरकार इसीलिए शिक्षा संस्थानों पर हो रहा प्रहार
- लाखों स्कूल बंद, सवा लाख स्कूलों में एक शिक्षक, फ़िरि भी शिक्षा की बदहाली पर चुप है सरकार
- बर्बादी पर उत्सवः पेपर लीक और शिक्षण संस्थानों के ध्वस्तीकरण पर खुशियां मना रही सत्ता - संजय सिंह

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण के आदेश पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। संजय सिंह ने लखनऊ में जारी एक बयान में भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी और योगी सरकार देश की आने वाली पीढ़ियों को शिक्षा से वंचित कर उन्हें अनपढ़ और जाहिल बनाए रखना चाहती है। उन्होंने देश के सरकारी स्कूलों की जर्जर हालत और बंद होते शिक्षण संस्थानों का हवाला देते हुए कहा कि एक तरफ बुनियादी शिक्षा खत्म की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ स्थापित विश्वविद्यालयों को राजनीतिक द्वेष के चलते नष्ट किया जा रहा है।

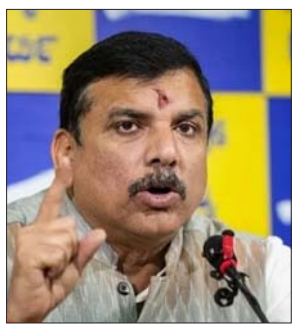

संजय सिंह ने देश भर में शिक्षा के गिरते स्तर और बंद होते स्कूलों का आंकड़ा पेश करते हुए सरकार को घेरा। उन्होंने बताया कि मौजूदा शासनकाल में देश के लगभग 1 लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं, जो सरकार की शिक्षा विरोधी नीति का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा सरकार का एजेंडा स्कूलों को सुधारना नहीं बल्कि उन्हें ताले में बंद करना है ताकि गरीब का बच्चा कभी पढ़-लिख न सके और उनके अंधभक्तों की फौज में शामिल हो जाए। आप सांसद ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आज देश के 1.20 लाख सरकारी स्कूलों की हालत यह है कि वहां पूरी व्यवस्था मात्र एक शिक्षक के भरोसे टिकी है। उन्होंने सवाल किया कि क्या एक अकेला शिक्षक पांच कक्षाओं के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे सकता है? संजय सिंह ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को आईसीयू में पहुंचाकर सरकार अब उच्च शिक्षण संस्थानों को ध्वस्त करने का जश्न मना रही है, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए शर्मनाक है।

जौहर यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई को शिक्षा विरोधी कदम बताया

राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने जौहर यूनिवर्सिटी के ध्वस्तीकरण के आदेश को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह कार्रवाई दर्शाती है कि सरकार को शिक्षा और ज्ञान के केंद्रों से कितनी नफरत है। उन्होंने कहा कि जिस देश में शिक्षा को बढ़ावा मिलना चाहिए, वहां राजनीतिक प्रतिशोध के कारण एक विश्वविद्यालय को तोड़ने की तैयारी की जा रही है। संजय सिंह के अनुसार, यह सिर्फ एक इमारत गिराने का मामला नहीं है, बल्कि यह उन हजारों छात्रों के भविष्य पर हमला है जो वहां शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं या करने वाले थे।

संजय सिंह ने महिला सशक्तिकरण के दावों की पोल खोलते हुए कहा कि देश के 98 हजार स्कूलों में आज भी बच्चियों के लिए टॉयलेट का इंतजाम नहीं है। उन्होंने कहा कि "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" का नारा देने वाली सरकार जमीनी स्तर पर बुनियादी सुविधाएं तक मुहैया नहीं करा पा रही है। जब स्कूलों में मूलभूत ढांचे का अभाव है, तब सरकार का पूरा ध्यान सिर्फ विपक्षी नेताओं द्वारा बनवाए गए संस्थानों को नष्ट करने पर लगा हुआ है।

उत्तर प्रदेश के आम को मिला ग्लोबल बाजार

उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने किया फ्लैग ऑफ

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की कृषि उपज को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ाया गया है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के प्रयास से तथा भारत-यूनाइटेड किंगडम व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (India-UK CETA) के प्रभावी होने के उपरांत उत्तर प्रदेश से यूनाइटेड किंगडम के लिए ताजे चौसा आमों की पहली निर्यात खेप का फ्लैग ऑफ उद्यान निदेशालय, सप्रू मार्ग, लखनऊ से किया गया।

उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश

प्रताप सिंह ने सेरेमनी में हरी झंडी दिखाकर 1,200 किलोग्राम ताजे चौसा आमों की खेप को यूके के लिए रवाना किया। यह खेप PSPG Consultancy Services Pvt. Ltd. द्वारा निर्यात की जा रही है। यह CETA लागू होने के बाद प्रदेश से यूके के लिए भेजी जा रही ताजे आमों की पहली खेप है।

मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि हमारे राज्य की उपज को दुनिया के बाजारों तक पहुंचाकर उसका मूल्य संवर्धन किया जाना ही हमारा उद्देश्य है।

निर्देश: नगर विकास मंत्री ने वर्षाकाल के दृष्टिगत अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

600 मीटर लंबे नाले का 500 मीटर निर्माण पूरा

- नगर विकास मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने विश्वास खंड व विवेक खंड में नाला निर्माण एवं सफाई कार्यों का किया निरीक्षण
- समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें, वर्षाकाल में नागरिकों को नहीं होनी चाहिए कोई असुविधा - मंत्री ए. के. शर्मा

आसपास के क्षेत्र को जलभराव से मिलेगी बड़ी राहत

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने शुक्रवार को राजधानी लखनऊ के विश्वास खंड एवं विवेक खंड क्षेत्र में चल रहे नाला निर्माण एवं नाला सफाई कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वर्षाकाल में नागरिकों को जलभराव अथवा जल निकासी से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री शर्मा ने विश्वास खंड में निर्माणाधीन

600 मीटर लंबे नाले का जायजा लिया। अधिकारियों ने अवगत कराया कि इसमें 500 मीटर नाले का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष कार्य तेजी से कराया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि इस नाले के पूर्ण होने के बाद विश्वास खंड सहित आसपास के क्षेत्रों को जलभराव की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी और वर्षा का पानी तेजी से निकलेगा।इसके साथ ही मंत्री श्री शर्मा ने नाला सफाई कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने सफाई कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि नालों की नियमित सफाई और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि वर्षा के दौरान जल निकासी निर्बाध बनी रहे और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वर्षाकाल के दौरान सभी संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए, जहां कहीं भी जल निकासी में बाधा हो उसे तत्काल दूर किया जाए तथा जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।

शिक्षक समायोजन में दिव्यांग, गंभीर रोगी, सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों को राहत देने की मांग

लखनऊ। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश (प्राथमिक संवर्ग) ने शिक्षक समायोजन प्रक्रिया में दिव्यांग, गंभीर रोग से पीड़ित, 31 मार्च 2027 को सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों तथा प्रधानाध्यापकों को समायोजन से राहत प्रदान किए जाने की मांग करते हुए अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन को पत्र प्रेषित किया है।

संगठन ने अपने पत्र में कहा है कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में शिक्षक समायोजन की प्रक्रिया चल रही है। स्पष्ट एवं एकरूप दिशा-निर्देशों के अभाव में विभिन्न जनपदों द्वारा जारी सरप्लस शिक्षकों की सूचियों में पर्याप्त भिन्नता एवं त्रुटियाँ देखने को मिल रही हैं।

केवल शब्दों को पढ़ने का नहीं उन्हें आत्मसात करने का भी काम किया जाए

सतीश महाना के सन्दर्भ पुस्तकालय में स्थापित हुआ 467वाँ युगऋषि वाङ्मय

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा के मा० अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी के सन्दर्भ पुस्तकालय में गायत्री ज्ञान मंदिर, इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं० श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों के 467वें युगऋषि वाङ्मय की स्थापना की गई। इस अवसर पर मा० विधान सभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी ने कहा कि "ऋषि का सद्साहित्य समाज के मार्गदर्शन के लिए है। ऐसे साहित्य से व्यक्ति को जीवन में सकारात्मक दिशा, संस्कार और सत्कर्म की प्रेरणा मिलती है। केवल शब्दों को पढ़ने का नहीं, बल्कि उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का भी प्रयास किया जाना चाहिए।" उन्होंने कहा कि ज्ञान और सद्विचारों पर आधारित साहित्य व्यक्ति

के चरित्र निर्माण के साथ-साथ समाज को भी नई दिशा प्रदान करता है। युगऋषि वाङ्मय में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों का समावेश है, जो समाज के लिए प्रेरणादायी है। युगऋषि वाङ्मय की स्थापना श्रीमती शशि गंगवार एवं श्री देवेंद्र सिंह गंगवार द्वारा अपने बच्चों श्रीमती चारु सिंह, चि० स्वास्तिक सिंह एवं चि० विभव सिंह के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ जन्मदिन के अवसर पर समर्पित की गई। इस अवसर पर सन्दर्भ पुस्तकालय में युगऋषि वाङ्मय साहित्य के साथ ही मा० अध्यक्ष जी को अखण्ड ज्योति पत्रिका भेंट की गई। कार्यक्रम में उपस्थित महानुभावों एवं विधान सभा कार्यालय के कर्मचारियों को भी अखण्ड ज्योति (हिन्दी) पत्रिका प्रदान की गई।

वाङ्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमाशंकर शर्मा ने कहा कि "ऋषि का सद्ज्ञान मनुष्य को सत्कर्म करने की शक्ति प्रदान करता है।" उन्होंने कहा कि युगऋषि वाङ्मय समाज को नैतिक मूल्यों, ज्ञान, संस्कार और सकारात्मक चिंतन की दिशा प्रदान करने वाला अमूल्य साहित्य है।

रेप-पीड़ित बच्ची का इलाज नहीं किया, सुप्रीम कोर्ट ने फटकारा गाजियाबाद में चली गई थी जान

'आपको डॉक्टर लिखने का हक नहीं'

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । गाजियाबाद में 4 साल की बच्ची के साथ रेप और हत्या केस की शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने इलाज नहीं देने पर दो प्राइवेट अस्पतालों और उनके डॉक्टरों को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने दोनों अस्पतालों से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने को भी कहा है। चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा, 'अगर आप अपनी ड्यूटी नहीं निभाते हैं तो आपको डॉक्टर कहलाने का कोई अधिकार नहीं है। अगर अस्पताल में सुविधा नहीं थी तो

19 मार्च को पुलिस पर आरोपी गौरव ने फायर किया था। बाद में पुलिस की गोली से वह घायल हुआ था।

बच्ची को दूसरे अस्पताल पहुंचाना चाहिए था। क्या इसलिए इलाज नहीं किया, क्योंकि परिवार गरीब था और आपकी फीस नहीं दे सकता था?' मामले की सुनवाई अब अगले हफ्ते होगी। पीड़िता के पिता दिहाड़ी मजदूर हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर मामले की जांच कोर्ट की निगरानी में SIT या CBI से कराने की मांग की है। कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया है कि पीड़िता और उसके परिवार की पहचान गोपनीय रखी जाए और उन्हें किसी तरह से परेशान न किया जाए।

पीड़ित पक्ष के वकील का कहना है कि घटना के बाद पुलिस ने मदद करने के बजाय बच्ची के पिता को डरा-धमकाकर चुप रहने को कहा था। एफआईआर भी 17 मार्च को दर्ज हुई, जबकि घटना 16 मार्च की रात की थी। रेप के आरोप के बावजूद पुलिस ने शुरुआती एफआईआर में सिर्फ हत्या की धारा लगाई। न रेप की धारा जोड़ी गई, न ही पॉक्सो एक्ट लगाया गया।

बेहोशी हालत में मिली थी बच्ची, खून से लथपथ थी

ये मामला 16 मार्च, 2026 का है। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाला एक युवक चॉकलेट दिलाने के बहाने 4 साल की बच्ची को अपने साथ ले गया। जब बच्ची काफी देर तक घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। बाद में बच्ची खून से लथपथ और बेहोशी की हालत में मिली। परिजन उसे पहले 2 निजी अस्पतालों में लेकर पहुंचे, लेकिन आरोप है कि दोनों अस्पतालों ने भर्ती करने से इनकार कर दिया। इसके बाद बच्ची को गाजियाबाद के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

19 मार्च को मुठभेड़ में आरोपी के दोनों पैरों में लगी थी गोली

मुकदमा लिखे जाने के अगले दिन 18 मार्च को पुलिस ने आरोपी गौरव प्रजापति को गिरफ्तार किया था। 19 मार्च को जब पुलिस उसे घटनास्थल पर रिकवरी के लिए ले गई थी। तभी आरोपी ने झाड़ियों में जो तमंचा छिपाकर रखा था, उससे पुलिस पर फायर किया। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। आरोपी के दोनों पैरों पर गोली लगी थी। वह घायल होकर गिर पड़ा था। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया।

चार हत्यारों को 15 साल बाद फांसी की सजा

लूट के बाद गोली मारी थी, जज बोले- ये रेयर केस है

तमसा संकेत, एजेंसी

मुजफ्फरनगर । मुजफ्फरनगर में 15 साल बाद हत्या के मामले में 4 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई गई है। चारों ने 2011 में एक युवक की लूट के बाद हत्या कर दी थी। वहीं युवक के दोस्त को मारपीट कर हाथ-पैर बांधकर फेंक दिया था।

मुजफ्फरनगर की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने शुक्रवार दोपहर 12 बजे यह फैसला सुनाया। जज रवि दिवाकर ने कहा- ये रेयर केस है। घटना के समय भौकरहेड़ी राजसिंह अपने दोस्त बिजेंद्र के साथ मोटरसाइकिल से अपनी बहन के घर शामली जा रहे थे। राज सिंह और उनके दोस्त को रास्ते में चार बदमाश अजित, अनिल, सुनील और सूरज ने रोक लिया। चारों ने पहले दोनों के साथ मारपीट की। उसके बाद सुनसान जगह पर ले गए। वहां चारों ने लूटपाट की कोशिश की तो राज सिंह

विरोध करने लगे। तभी राजसिंह को बदमाशों ने गोली मार दी। उनकी मौत हो गई। वहीं दोस्त बिजेंद्र से लूटपाट करके उसकी पिटाई की। अधमरा होने के बाद उसके हाथ-पैर बांध दिए और उसको झाड़ियों में फेंक कर फरार हो गए। किसी तरह शाम तक बिजेंद्र सड़क तक पहुंचा। मदद मांगकर परिवार को मामले की जानकारी दी। पुलिस को भी सूचित किया। राज के भाई राहुल ने चारों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज करवाया था। पुलिस ने विवेचना के दौरान साक्ष्य जुटाकर आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की।

फास्ट न्यूज

राज्यसभा सांसद के आवास के सामने गोशाला में चोरी

आगरा । आगरा के थाना सिकंदरा अंतर्गत इंडस्ट्रियल एरिया में राज्यसभा सांसद नवीन जैन के आवास के सामने बनी गौशाला में चोरों ने दानपात्र तोड़कर चोरी कर ली। सुबह जब लोग आए तो उन्होंने दानपात्र टूटा देखा। सीसीटीवी से चोर की तलाश की जा रही है। इंडस्ट्रियल एरिया में राज्यसभा सांसद नवीन जैन के आवास के सामने निराश्रित और बीमार गोवंश के इलाज के लिए गोशाला है।

पनकीधाम रेलवे स्टेशन का पीएम ने वर्चुअल लोकार्पण किया

कानपुर। पीएम मोदी ने शुक्रवार शाम करीब 5 बजे वर्चुअल माध्यम से कानपुर के पनकीधाम रेलवे स्टेशन का लोकार्पण किया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत करीब 25 करोड़ रुपए की लागत से स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है।

1981 में बने इस स्टेशन पर अब अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध होंगी। रेलवे की योजना यहां 30 से अधिक ट्रेनों का ठहराव शुरू करने और भविष्य में इसे टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित करने की है।

कानपुर में फर्जी दस्तावेज बनाने वाले 3 गिरफ्तार

कानपुर । कानपुर के कल्याणपुर में साइबर कैफे की आड़ में चल रहे फर्जी सरकारी दस्तावेज बनाने वाले बड़े नेटवर्क का साइबर क्राइम सेल और पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मौके से सैकड़ों फर्जी सरकारी दस्तावेज, विधायक की कथित फर्जी मोहर, सरकारी विभागों की मोहरें, कंप्यूटर-प्रिंटर समेत भारी मात्रा में उपकरण बरामद किए हैं

राम मंदिर चढ़ावा चोरी- सतीश महाना के बयान पर बवाल

भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ता भिड़े कानपुर पुलिस से भी झड़प

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के 'चंदा चोरी' संबंधी बयान को लेकर शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे राजनीतिक माहौल गरमा गया। रामादेवी चौराहे पर कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा सरकार और सतीश महाना के खिलाफ नारेबाजी की। दूसरी ओर, भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस के विरोध में उतर आए। सरकार और महाना के समर्थन में नारे लगाने लगे। भाजपाइयों ने कांग्रेस के खिलाफ पोस्टर जलाए। जमकर हंगामा और धक्का-मुक्की हुई। हालात बिगड़ने पर पुलिस को बीच-बचाव करना पड़ा।

हंगामे के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच भी तीखी नोकझोंक हुई। आरोप है कि धक्का-मुक्की में पुलिसकर्मियों के बैज तक नोच लिए गए। पुलिस ने कांग्रेस नेता धर्मराज चौहान और उनके बेटे

को हिरासत में लिया है। पुलिस दोनों को खींचकर थाने ले गई। इस दौरान एक भाजपा कार्यकर्ता भी सड़क पर गिर गया। पुलिस से उसकी भी झड़प हुई। दरअसल सतीश महाना ने कहा था कि जिसने श्रद्धा भाव से दान नहीं दिया, उसका पैसा चोरी हुआ है। हमने श्रद्धा से दान दिया था, इसलिए हमारा पैसा चोरी नहीं हुआ। हमारा पैसा तो राम मंदिर के निर्माण में लगा है। यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा था कि-जिन्होंने श्रद्धापूर्वक भगवान के मंदिर में पैसा अर्पित नहीं किया, उन्हीं का पैसा चोरी हुआ है। हमारा पैसा चोरी नहीं हुआ, हमारा पैसा मंदिर में लगा है।

ट्रेन से कूद भागे, बच्चे पर बंदूक तानी ■ 300 जवानों ने खेत में घेरकर मारा

फिरोजाबाद में पुलिसवालों को गोली मारने वाले दो बदमाश ढेर

तमसा संकेत, एजेंसी

फिरोजाबाद/इटावा। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद रेलवे स्टेशन के बाहर शुक्रवार को दिनदहाड़े मुठभेड़ हुई। बदमाशों ने पीछा कर रहे दो पुलिसवालों को गोली मार दी। एक जवान की हालत गंभीर है। बदमाश भागते हुए 1 किमी दूर गांव के खेत में छिप गए। 300 पुलिसवालों ने बदमाशों को घेर लिया। 3 घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद पुलिस ने दोनों बदमाशों को एनकाउंटर में मार गिराया। मारे गए बदमाशों की पहचान अंकित उर्फ सीटू और सुमित के रूप में हुई है। 14 दिन पहले दोनों ने इटावा में अपने एक साथी के साथ GLP हॉस्पिटल के मालिक डॉ. आर.एस. पाल से चेन लूट ली थी। पाल उस वक्त मॉर्निंग वॉक कर

रहे थे। इसी मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) तीनों की तलाश कर रही थी।

शुक्रवार को दोनों बदमाश अंकित-सुमित ट्रेन से झारखंड भाग रहे थे। SOG को सर्विलांस से इनकी भनक लग गई। शुक्रवार 11.45 बजे जब ट्रेन शिकोहाबाद पहुंची तो सादी वर्दी में SOG के जवान उन्हें पकड़ने पहुंच गए। दोनों बदमाशों ने ट्रेन में पुलिसवालों को पहचान लिया। वह कूदकर भागने लगे। जवान भी उनके पीछे भागे।

पुलिस को पीछा करते देख बदमाशों ने स्टेशन के बाहर एक बच्चे को उठा लिया।

एक छात्रा ने बताया, "मैं प्राथमिक स्कूल खेरिया में कक्षा 3 में पढ़ती हूं। मैं स्कूल में पढ़ रही थी, तभी उधर से कुछ लोग कूदकर आ गए। वहां खड़े सर ने उनसे कहा कि यहां गोली मत चलाना। इसके बाद एक व्यक्ति सर के सामने खड़ा हो गया। फिर दोनों दीवार फांदकर भाग गए।"

डीआईजी बोले- दोनों दुर्दांत अपराधी थे

डीआईजी यमुना प्रसाद ने बताया कि दोनों आरोपी कई दिनों से इलाके में लगातार आपराधिक वारदातों को अंजाम दे रहे थे। इटावा पुलिस की टीमें काफी समय से इनके पीछे लगी थीं और लगातार इनकी लोकेशन ट्रैक कर रही थीं।

उन्होंने बताया कि दोनों का आपराधिक रिकॉर्ड लंबा है। इनमें से सुमित हिस्ट्रीशीटर है, जबकि उसका साथी अंकित भी लगातार आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। दोनों वारदात करने के बाद मौके से फरार हो जाते थे। डीआईजी ने कहा कि तकनीकी सर्विलांस के जरिए पुलिस को सूचना मिली थी कि दोनों एक रेलवे स्टेशन पर पहुंचने वाले हैं। पुलिस ने उन्हें ट्रैक करने की कोशिश की, लेकिन बदमाशों ने टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।

इसके बाद पुलिस ने उनका पीछा किया तो दोनों एक बच्चे से उसकी बाइक छीनकर भागने लगे। पुलिस ने इनका पीछा किया और घेराबंदी कर आत्मसमर्पण के लिए कहा। जवाबी फायरिंग में दोनों बदमाश एक-एक कर ढेर हो गए।

बहराइच में पैर जबड़े में दबाकर खींच ले गया, बच्चा तड़पता रहा, चाचा चिल्लाते रह गए

बारह साल के बच्चे को मगरमच्छ ने जिंदा खाया

तमसा संकेत, एजेंसी

बहराइच। यूपी के बहराइच से रोंगटे खड़े करने वाली घटना सामने आई है। यहां मगरमच्छ 12 साल के बच्चे को जिंदा खा गया। धान की रोपाई करने के बाद बच्चा नदी में हाथ-पैर धोने गया था, तभी मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया। उसे जबड़े में दबोच लिया। बच्चे ने खुद को छुड़ाने के लिए हाथ-पैर मारे। उसके चाचा और ग्रामीणों ने भी ईंट-पत्थर फेंककर उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन मगरमच्छ ने उसे छोड़ा नहीं। उसने दो-तीन बार बच्चे को उछालकर पानी में पटका, फिर गहरे पानी में खींच ले गया। देखते ही देखते बच्चे के आधे शरीर को निगल लिया। 5 घंटे बाद ग्रामीणों ने बच्चे का शव बरामद किया।

गांव वालों ने बताया कि गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे सुनील अपने चाचा विजय राज सिंह के साथ खेत में धान की रोपाई करने गया था। 3-4 घंटे तक रोपाई करने के बाद देर शाम दोनों खेत से लौटते समय घाघरा नदी में हाथ-पैर धोने लगे। इसी दौरान अचानक नदी से मगरमच्छ निकला और सुनील पर अटैक कर दिया। यह देखकर उसके चाचा घबरा गए। शोर मचाकर उसे बचाने की कोशिश की। दौड़कर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोगों को बुलाया। ग्रामीणों ने बच्चे को

माता-पिता की मौत हो चुकी, चाचा के साथ रहता था बच्चा

सुनील टिकुरी गांव का रहने वाला था। उसके माता-पिता की मौत हो चुकी है। पिता बुधराज की 5 साल पहले, जबकि मां की 7 साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी। चार भाई-बहनों में सुनील दूसरे नंबर पर था।

भतीजे के शव को गोद में उठाकर मार्चरी ले जाते चाचा।

घटना गुरुवार शाम की है। लेकिन इसका वीडियो शुक्रवार सुबह सामने आया। थाना प्रभारी टीएन मौर्या ने घटना और वीडियो की पुष्टि की है। वन रेंजर साकिब अंसारी ने बताया- मगरमच्छ बच्चे का दाहिना पैर और कमर के नीचे का हिस्सा खा गया। मामला जिला मुख्यालय से 45 किमी दूर बौंडी थाना क्षेत्र का है।

सुनील का घटनास्थल से 300 मीटर दूर शव उतराता मिला।

अंधेरा हुआ तो टॉर्च की रोशनी में ग्रामीणों ने तलाशा

ग्रामीणों ने बड़े-बड़े बांस के डंडों की मदद से नदी में तलाशी अभियान शुरू किया। इस वक्त घाघरा नदी का बहाव काफी तेज है, इसलिए घटनास्थल से करीब 500 मीटर तक नदी में खोजबीन की गई। दो घंटे तक लगातार तलाश करने के बाद अंधेरा हो गया, लेकिन ग्रामीणों ने खोजबीन नहीं रोकी। वे टॉर्च की रोशनी में बच्चे की तलाश करते रहे। करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद रात 10 बजे घटनास्थल से लगभग 300 मीटर दूर नदी में बच्चे का आधा शव उतराता मिला।

छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन मगरमच्छ ने उसे नहीं छोड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही गांव के लोग बड़ी संख्या में नदी किनारे पहुंच गए। परिजन भी रोते-बिलखते मौके पर पहुंच गए।

संभल में मजार-इमामबाड़े को बुलडोजर से ढहाया

6 मशीनों ने 3 घंटे में तोड़ा 50 पुलिसवाले तैनात रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। संभल में इमामबाड़ा और हजरत शाह मियां नीम मजार को बुलडोजर से ढहाया गया। इसके लिए 5 बुलडोजर और एक पोकलेन मशीन लगाई गई। सबसे पहले इमामबाड़े का शटर तोड़ा गया। फिर उसकी छत भी गिरा दी गई। शुक्रवार दोपहर 12 बजे शुरू हुई कार्रवाई 3 बजे तक चली।

इस दौरान पुलिस, पीएसी और आरएएफ के 50 से ज्यादा जवान तैनात रहे। एहतियात के तौर पर ग्रामीणों को मौके पर आने से रोक दिया गया। डीएम अंकित खंडेलवाल और एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई भी मौके पर मौजूद रहे।

प्रशासन के मुताबिक, करीब 50 साल पहले साढ़े चार बीघा सरकारी बंजर जमीन पर कब्जा किया गया था। इस जमीन की कीमत करीब सवा करोड़ रुपए है। इसमें 2950

वर्गमीटर में इमामबाड़ा और 312 वर्गमीटर में हजरत शाह मियां नीम मजार बनाई गई थी। इसी साल 2 मई को लेखपाल ने तहसीलदार कोर्ट में इसकी शिकायत की थी। कोर्ट ने इमामबाड़ा और मजार की देखरेख करने वालों से जमीन के दस्तावेज मांगे थे, लेकिन वे कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सके। इसके बाद 12 जुलाई को कोर्ट ने इमामबाड़ा और हजरत शाह मियां नीम मजार को हटाने का आदेश दिया। डीएम अंकित खंडेलवाल ने कहा, "मुकर्रबपुर गांव में करीब साढ़े चार बीघा जमीन बंजर के नाम पर दर्ज है। इस पर अवैध तरीके से इमामबाड़ा और मजार बनाई गई थी।

पृष्ठ 01 का शेष...

'माफिया को जहन्नुम ...

उन्होंने महाभारत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह वही पावन भूमि है, जहां भगवान श्रीकृष्ण महात्मा विदुर के घर साग खाने आए थे. उन्होंने कहा कि ऐसी पवित्र धरती पर कौन नहीं आना चाहेगा.

'एसआईआर में नाम ...

बोस की ओर से पेश सीनियर वकील गोपाल शंकर नारायणन ने कहा कि हटाए गए वोटरों के दावों और आपत्तियों को देखने के लिए बनाए गए 18 ट्रिब्यूनल जिस तरह से काम कर रहे हैं, उससे व्यावहारिक स्तर पर गड़बड़ियां और देरी हो रही है।

बेंच ने बिहार SIR मामले में दिए गए फैसले का जिक्र करते हुए कहा, 'चुनाव आयोग की यह जिम्मेदारी है कि जब कोई ट्रिब्यूनल यह कहे कि कोई व्यक्ति SIR लिस्ट में नहीं हो सकता, तो EC को नागरिकता अधिनियम के तहत नागरिकता तय करने के लिए मामले को केंद्रीय मंत्रालय को भेजना होगा।'

बेंच ने आगे कहा, 'चुनाव आयोग नागरिकता तय करने के मामले में संवैधानिक अथॉरिटी नहीं है। कानून में कोई भ्रम नहीं है। चुनाव आयोग का वोटर लिस्ट पर नियंत्रण और देखरेख का अधिकार है।'

सीनियर वकील ने कहा कि 33.5 लाख अपीलें अभी भी लंबित हैं और जिन मामलों का निपटारा हुआ है, उनमें 70 प्रतिशत दावे स्वीकार किए गए हैं। वकील ने कहा, 'इसलिए, जब तक इन पर फैसला होता है, तब तक उन्हें PDS और दूसरी योजनाओं से बाहर रखा जाता है।'

बेंच ने SIR मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका समेत लंबित याचिकाओं के साथ इस नई याचिका पर भी 25 अगस्त को सुनवाई करने पर सहमति जताई।

याचिका में संविधान के आर्टिकल 14, 19 और 21 के तहत अधिकारों को लागू करने की मांग की गई है। इसमें कहा गया है कि पश्चिम बंगाल में SIR प्रक्रिया के दौरान गिनती के चरण में 58 लाख से ज्यादा वोटरों के नाम हटा दिए गए।

साथ ही, दावे और आपत्तियों के चरण में नाम जोड़ने के लिए 9.64 लाख आवेदन (फॉर्म 6 और 6A) और नाम हटाने के लिए 99,000 से ज्यादा आवेदन (फॉर्म 7) मिले, लेकिन 28 फरवरी को जारी अंतिम वोटर लिस्ट में सिर्फ 1.82 लाख नाम ही जोड़े गए।

राममंदिर चोरी : टिन्नू...

वह मंदिर के दानपात्रों की देखरेख करता था, जबकि मनीष चढ़ावे की गिनती का काम करता था। पुलिस ने टिन्नू के घर से 1 लाख रुपए और मनीष के घर से 2 लाख रुपए बरामद किए थे।

इधर, चढ़ावा चोरी के बाद ट्रस्ट ने प्रायश्चित अनुष्ठान शुरू कराया है। शुक्रवार सुबह 11 बजे से राम मंदिर परिसर में भगवान से क्षमा-याचना के लिए विशेष पूजा-पाठ शुरू हुआ। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से 18 पुजारी और 5 आचार्य वेद मंत्रों का उच्चारण, रुद्राभिषेक और हवन कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, ट्रस्ट का मानना है कि चोरी की घटना व्यवस्था में चूक की वजह से हुई। इससे देश-विदेश के श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुईं। इसलिए ट्रस्ट ने वैदिक परंपराओं के तहत प्रायश्चित शुरू कराया है। यह विशेष अनुष्ठान 10 दिन चलेगा। पुजारी दिन में दो बार विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ और हवन करेंगे।

इस बीच, गोपाल राव अयोध्या छोड़कर चले गए हैं। सूत्रों के अनुसार, RSS ने उनका कार्यक्षेत्र बदल दिया है। हालांकि, उन्हें कहां भेजा गया है, इसका पता नहीं चल पाया है। गोपाल राव मंदिर निर्माण के प्रभारी थे। 6 जुलाई को मंदिर निर्माण समिति की बैठक के बाद उन्हें हटा दिया गया था।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की चोरी की घटना के बाद शुरू किए गए प्रायश्चित्त पूजन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रायश्चित्त क्या होता है, पहले इस पर स्पष्टता होनी चाहिए। प्रायश्चित्त उस व्यक्ति का होता है, जिसे अपने पाप का बोध हो जाए और वह स्वीकार करे कि 'मैंने यह पाप किया है, मुझे इसके दंड से बचाइए।' सबसे पहले यह पता चलना चाहिए कि किस व्यक्ति को अपने पाप का बोध हुआ है और वह पाप क्या है।

मानसून सत्र 20 ...

सात में से दो विधेयक फॉरेन कंट्रीब्यूशन (FCRA) और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान पुराने हैं। विदेशी चंदे से जुड़ा विधेयक 25 मार्च 2026 को और शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 15 दिसंबर 2025 को लोकसभा में पेश किया गया था। शिक्षा से जुड़े बिल को जॉइंट कमेटी के पास भेज दिया गया था।

इनकम टैक्स बिल, 2026 और सुप्रीम कोर्ट में जज की संख्या बढ़ाने वाले बिल अध्यादेशों का स्थान लेंगे। जबकि जन्म-मृत्यु, वंदे मातरम के अपमान और एमए-सएमई से जुड़े तीन बिल पहली बार पेश किए जाएंगे।

पंजाब में कट्टर ...

उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ में नए एमबी-बीएस कॉलेज को मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही वहां पढ़ाई शुरू होगी। यहां मंच पर चंडीगढ़ से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी भी मौजूद रहे। प्रोजेक्टों के नींव पत्थर में विपक्षी सांसदों के साथ CM भगवंत मान का भी नाम रहा। हालांकि मान PM के साथ कहीं स्टेज पर नहीं आए। इसके बाद जालंधर आकर 5470 करोड़ रुपए के प्रोजेक्टों का उद्घाटन किया। यहां वे संतों से भी मिले। उन्होंने सीर गोवर्धनपुर वाराणसी एक्सप्रेस (अमृतसर के छेहर्टा से वाराणसी तक) को हरी झंडी दिखाई। इसी ट्रेन में रविदासिया समाज के सबसे बड़े डेरे सचखंड बल्लां के मुखी संत निरंजन दास और स्कूली बच्चों से मिलकर बातचीत की।

'पेपर लीक के रास्ते ...

और तकनीक के बेहतर इस्तेमाल से पेपर लीक जैसी घटनाओं पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में बदलाव और परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित व पारदर्शी बनाने की जरूरत बताई, ताकि मेहनत करने वाले युवाओं को न्याय मिल सके।

कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने छात्रों और अभ्यर्थियों से सीधे संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने पेपर लीक, सरकारी नौकरियों, महंगी शिक्षा और रोजगार से जुड़े सवाल उठाए। नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाली छात्रा रिया कुमारी थापा के पिता ने भी मंच से अपनी बेटी की पीड़ा साझा की, जिस पर राहुल गांधी ने उन्हें ढाढ़स बंधाया। कार्यक्रम में करीब 8 से 10 हजार छात्र-युवा मौजूद रहे।

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा कि सबसे पहले परीक्षा प्रणाली में बदलाव की जरूरत है, क्योंकि मौजूदा टेस्टिंग सिस्टम पुराना हो चुका है। उन्होंने कहा कि सिस्टम में अधिक लचीलापन होना चाहिए और एक ही परीक्षा हॉल में छात्रों को अलग-अलग रैंडम प्रश्नपत्र दिए जा सकते हैं। राहुल ने कहा कि तकनीक के बेहतर इस्तेमाल से पेपर लीक जैसी समस्याओं को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है।

एक शादी करने ...

इसके बाद सरकार इसे विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में पेश करेगी। उन्होंने कहा कि इस कानून का उद्देश्य सभी नागरिकों के लिए समान व्यवस्था लागू करना और भेदभाव खत्म करना है।

संविधान के अनुच्छेद 44 के भाग- 4 में यूनिफॉर्म सिविल कोड की चर्चा है। राज्य के नीति-निदेशक तत्व से संबंधित इस अनुच्छेद में कहा गया है कि 'राज्य, देशभर में नागरिकों के लिए एक यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू कराने का प्रयास करेगा।' हमारे संविधान में नीति निदेशक तत्व सरकारों के लिए एक गाइड की तरह है। इनमें वे सिद्धांत या उद्देश्य बताए गए हैं, जिन्हें हासिल करने के लिए सरकारों को काम करना होता है।

अभी देश के तीन राज्य उत्तराखंड, गुजरात और असम में ही UCC लागू है। उत्तराखंड ने सबसे पहले 2024 में इसे लागू किया था। इसी साल पहले गुजरात फिर असम ने इसे लागू किया। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी और बिहार में सम्राट चौधरी ने सीएम बनते ही UCC लागू करने की बात कही थी।

कोटक बोले- कोहली-मतभेद की खबरें खारिज की, बातचीत बंद होने के दावे हुए थे

कोहली-गंभीर दिन में 10 बार बात करते हैं : कोटक

अफवाह

कार्डिफ, एजेंसी

टीम इंडिया के बैटिंग कोच सितांशु कोटक ने विराट कोहली और हेड कोच गौतम गंभीर के बीच मतभेद की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है।

कोटक ने कहा कि दोनों दिन में कम से कम 10 बार आपस में बातचीत करते हैं। उनके बीच बातचीत बंद होने की बात महज अफवाह है।

कार्डिफ में दूसरे वनडे से पहले नेट्स के दौरान कोहली और गंभीर

के बीच बातचीत नहीं दिखने के बाद दोनों के रिश्तों को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। यहां तक कि ऐसी खबरें भी सामने आईं कि दोनों में बातचीत शुरू कराने के लिए BCCI की लीडरशिप को आगे आना पड़ सकता है।

कोटक ने कहा कि विराट जैसे सीनियर बैटर को बिना जरूरत सलाह देना ठीक नहीं है। उन्होंने पूर्व कोच अभिषेक नायर की बात दोहराते हुए

सितांशु कोटक नेट्स सेशन के बाद कोहली से बात करते दिखे थे।

कोहली-गंभीर को किसी संदेशवाहक की जरूरत नहीं

बैटिंग कोच कोटक ने एक सवाल पर कहा- 'मुझे नहीं लगता कि विराट को मुख्य कोच से बात करने के लिए किसी ब्रिज की जरूरत है।' कोटक ने आगे कहा, 'मुझे नहीं पता ये बातें कहां से आती हैं। ये सिर्फ अफवाहें हैं।'

टाइम्स नॉउ न्यूज की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कोहली और गंभीर के बीच बातचीत नहीं हो रही है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि नेट्स के बाद कोटक ने गंभीर का मैसेज कोहली तक पहुंचाया। इसमें यह भी कहा गया था कि कोहली ने प्रैक्टिस के बाद गंभीर को नजरअंदाज किया।

कहा- जब तक विराट खुद कोई सुझाव नहीं मांगते या कोई बड़ी तकनीकी समस्या नजर नहीं आती, तब तक उन्हें सलाह देने की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा, 'जब विराट बल्लेबाजी करने जाते हैं तो अगर वह खुद इनपुट नहीं मांगते या कोई बड़ी तकनीकी बात नहीं होती, तो उन्हें बिना मांगी सलाह देना सही नहीं है।'

कोटक ने बताया कि जब विराट किसी खास पहलू पर चर्चा करना चाहते हैं तो वह अपनी राय जरूर देते हैं। उन्होंने कहा, 'हमारी बातचीत ज्यादातर फुटवर्क और बल्लेबाजी से जुड़ी तकनीकी चीजों पर होती है। कार्डिफ में नेट्स से पहले भी उन्होंने कुछ बातें साझा की थीं और अभ्यास के बाद भी हम उसी पर चर्चा कर रहे थे।'

तीसरा वनडे-न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हराया

सीरीज में 2-1 से आगे लेनोक्स को 4 विकेट

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने तीसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ कीवी टीम ने 5 मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है।

गयाना में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 140/9 रन ही बना सकी। जवाब में न्यूजीलैंड ने 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड के स्पिनर जेडन लेनोक्स ने 52 रन देकर 4 विकेट लिए। उनकी गेंदबाजी के सामने वेस्टइंडीज ने अपने आखिरी 6 विकेट सिर्फ 19 रन के भीतर गंवा दिए। वेस्टइंडीज एक समय 3 विकेट पर 121 रन बनाकर मजबूत स्थिति में थी, लेकिन न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने मैच का रुख बदल दिया। माइकल ब्रेसवेल ने केसी कार्टी का विकेट लेकर साझेदारी तोड़ी।

अगले ही ओवर में शिमरोन हेटमायर भी आउट हो गए। फिर लेनोक्स ने निचले क्रम को समेट दिया। वेस्टइंडीज ने सिर्फ 19 रन

जोड़कर अपने आखिरी 6 विकेट गंवा दिए और स्कोर 140/9 हो गया। न्यूजीलैंड के स्पिनर जेडन लेनोक्स इस जीत के सबसे बड़े हीरो रहे। पिछले मैच में 5 विकेट लेने वाले लेनोक्स ने इस मुकाबले में भी 52 रन देकर 4 विकेट झटके। उन्होंने किसी बाइलैटरल वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड के स्पिनर के सबसे ज्यादा विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। पारी के छठे ओवर में वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल सिंगल लेने के लिए दौड़े, लेकिन हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आने से मैदान पर गिर पड़े।

लॉर्ड्स में बड़ी पारी खेल सकते हैं रोहित : बैटिंग कोच

सितांशु कोटक ने कहा- स्ट्रगल नहीं कर रहे, दावा था- रिटायरमेंट लेंगे

कार्डिफ, एजेंसी

रोहित शर्मा के रिटायरमेंट की अटकलों के बीच भारतीय कोच सितांशु कोटक ने कहा- रोहित न तो दबाव में हैं और न ही स्ट्रगल कर रहे हैं। वे लॉर्ड्स में बड़ी पारी खेल सकते हैं। एक दिन पहले एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि लॉर्ड्स वनडे रोहित शर्मा के करियर का आखिरी वनडे होगा। उसके बाद उनके रिटायरमेंट की अटकलें भी शुरू हो गईं।

कोटक ने मैच के बाद कहा, 'आज भी ऐसा लग रहा था कि रोहित बड़ी पारी खेलेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। पिच पर गेंद पर असमान्य उछाल था। रोहित जिन शॉट्स को आमतौर पर आसानी से खेलते हैं, उनमें उन्हें सहज महसूस नहीं हुआ। ऐसा कई बैटर्स के साथ होता है।

आप लॉर्ड्स में रोहित शर्मा की बिल्कुल अलग पारी देख सकते हैं।'

इस मसले में पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल ने कहा- 'मुझे उम्मीद है कि पूर्व कप्तान जबरदस्त वापसी करेंगे और एक शानदार शतक लगाकर आलोचकों का मुंह बंद कर देंगे। यशस्वी जायसवाल या ईशान किशन को वनडे टीम में मौका मिलने की संभावना पर पूछे गए सवाल पर कोटक ने कहा कि वे रोहित के लिए 'संघर्ष' शब्द का इस्तेमाल नहीं करेंगे। कोटक ने शुभमन गिल और विराट कोहली का उदाहरण देते हुए कहा- पहले वनडे में गिल और दूसरे वनडे में कोहली को अच्छी शुरुआत मिली, जिससे वे बड़ी पारी खेल सके। लेकिन, रोहित को वैसी शुरुआत नहीं मिल सकी। इस मैच में रोहित शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। इसलिए मैं नहीं कहूंगा कि वह संघर्ष कर रहे हैं।'

कोटक के अनुसार कार्डिफ की पिच पहली पारी में दो गति वाली थी, जिससे बल्लेबाजी मुश्किल रही। दूसरी पारी में विकेट बेहतर हो गया और इसका फायदा जो रूट ने नाबाद 99 रन की मैच जिताऊ पारी खेलकर उठाया।

इंग्लैंड ने भारत को 4 विकेट से हराया

कार्डिफ। इंग्लैंड ने दूसरे वनडे में भारत को 4 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में गुरुवार देर रात 234 रन का पीछा करते हुए मेजबान टीम ने 44.1 ओवर में 6 विकेट खोकर मुकाबला जीत लिया। जीत के हीरो जो रूट रहे। वे 99 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अब सीरीज का फैसला 19 जुलाई को लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे वनडे में होगा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने तेज शुरुआत की। कप्तान शुभमन गिल (31) और रोहित शर्मा (26) ने पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। गिल के आउट होने के बाद रोहित और विराट कोहली ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। रोहित के आउट होने के बाद ईशान किशन जल्दी लौट गए, लेकिन विराट ने श्रेयस अय्यर के साथ चौथे विकेट के लिए 67 रन जोड़कर टीम को 178/3 तक पहुंचा दिया।

ओकुहारा ने वॉकओवर दिया, अब चीन की चेन युफेई से खेलेंगी

जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पीवी सिंधु

टोक्यो, एजेंसी

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गईं। उन्हें क्वार्टर फाइनल में पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोआमी ओकुहारा ने वॉकओवर दे दिया। सिंधु ने 3 साल बाद किसी सुपर-750 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले वे 2023 डेनमार्क ओपन के टॉप-4 में पहुंची थीं। यह 2026 सीजन में सिंधु का तीसरा सेमीफाइनल भी है। साल की शुरुआत उन्होंने वर्ल्ड रैंकिंग में 18वें स्थान से की थी, लेकिन शानदार प्रदर्शन के दम पर अब वह नौवें स्थान पर पहुंच चुकी हैं। सेमीफाइनल में सिंधु का सामना चीन की पूर्व ओलिंपिक चैंपियन और विश्व नंबर-4 चेन युफेई से होगा।

चेन ने क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की सिम यू जिन को 21-10, 21-12 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। सिंधु और चेन के बीच अब तक 14 मुकाबले हुए हैं, जिनमें चीनी खिलाड़ी 8-6 से आगे हैं।

खास बात यह है कि सिंधु पिछले पांच मुकाबलों में लगातार चेन से हार चुकी हैं। ऐसे में उनके पास इस हार के सिलसिले को तोड़ने और लगभग तीन साल बाद किसी सुपर-750 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने का सुनहरा मौका होगा।

चीन की हान यू को 35 मिनट में हराकर टॉप-8 में पहुंचीं

पीवी सिंधु वर्ल्ड नंबर-5 चीन की हान यू को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं। उन्होंने दूसरे दौर के मुकाबले को महज 35 मिनट में 21-16, 21-14 से जीत लिया। इस जीत के साथ सिंधु ने हान यू के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 8-1 कर लिया।

मनोरंजन

कहा गया- एक्ट्रेस जैसा चेहरा नहीं, घर जाकर रोती थीं, फिर ऐसे बदली किस्मत, बनीं पैन इंडिया स्टार

20-25 ऑडिशन में रिजेक्ट हुईं रश्मिका मंदाना

नई दिल्ली । आज रश्मिका मंदाना देश की बड़ी अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। 'पुष्पा', 'एनिमल' और 'छावा' जैसी फिल्मों से उन्होंने पैन इंडिया स्टार का दर्जा हासिल किया। लेकिन करियर की शुरुआत में उन्हें लगातार रिजेक्शन झेलने पड़े। उन्होंने करीब 20-25 ऑडिशन दिए, जिनमें ज्यादातर में यह कहकर रिजेक्ट कर दिया गया कि उनका चेहरा एक्ट्रेस जैसा नहीं है। वह घर लौटकर रोती थीं। एक फिल्म के लिए 2-3 महीने ट्रेनिंग लेने के बाद वह फिल्म भी बंद हो गई। हालांकि उन्होंने हार नहीं मानी और पहली ही कन्नड फिल्म 'किरिक पार्टी' से स्टार बन गईं।

उन्होंने कहा, स्कूल में टीचर्स डे, एनुअल डे या किसी भी सांस्कृतिक

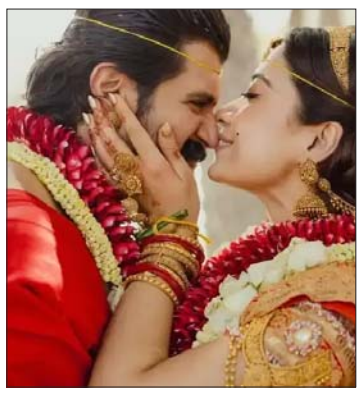

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने 26 फरवरी 2026 को राजस्थान के उदयपुर में एक निजी समारोह में शादी की थी।

कार्यक्रम में मैं हमेशा बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थी। खास तौर पर भरतनाट्यम सीखती थी और डांस करना मुझे बहुत पसंद था। पढ़ाई में मेरा बिल्कुल मन नहीं लगता था। मैं क्लास की बैकबेंचर थी। मुझे लगता था कि पढ़ाई से मैं कुछ खास नहीं कर पाऊंगी। ज्यादा से ज्यादा यही होगा कि घर लौटकर पापा के बिजनेस में उनकी मदद करूंगी। रश्मिका मंदाना सिर्फ सफल अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि अच्छी पढ़ाई भी कर चुकी हैं। उन्होंने अंग्रेजी साहित्य, मनोविज्ञान और पत्रकारिता में बैचलर डिग्री हासिल की है। स्कूल की पढ़ाई के बाद रश्मिका ने मैसूर इंस्टीट्यूट ऑफ कॉमर्स एंड आर्ट्स से प्री-यूनिवर्सिटी कोर्स किया। इसके बाद उन्होंने बेंगलुरु के एम.एस. रामैया कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स में दाखिला लिया और यहीं से इन तीनों विषयों में स्नातक की पढ़ाई पूरी की।

जिंदगी का बड़ा हिस्सा हॉस्टल में बीता

रश्मिका ने शुरुआती पढ़ाई कूर्ग पब्लिक स्कूल, गोनिकोप्पल से की। यह बोर्डिंग स्कूल था, इसलिए उनका बचपन काफी हद तक हॉस्टल में बीता। रश्मिका ने कहा, मेरी जिंदगी का ज्यादातर हिस्सा हॉस्टल में बीता। उस वक्त मेरे माता-पिता अपनी जिंदगी और आर्थिक स्थिति को संभालने में जुटे हुए थे। इसलिए बचपन से ही मैं हॉस्टल में रही। उस समय मुझे फिल्में देखने का भी मौका नहीं मिलता था। हॉस्टल में रात 9:30 से 10 बजे तक ही टीवी देखने की अनुमति थी और उस दौरान भी न्यूज, स्पोर्ट्स या म्यूजिक ही देखा जा सकता था।

फिल्म 'एनिमल' के एक दृश्य में रश्मिका मंदाना और रणबीर कपूर।

फिल्म 'पुष्पा: द राइज' 17 दिसंबर 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

बचपन में देखा आर्थिक संघर्ष

रश्मिका के पेरेंट्स के पास कभी उनके लिए खिलौने खरीदने तक के पैसे नहीं थे। उन्होंने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में इसका जिक्र किया था। उनके अनुसार, एक वक्त ऐसा था जब उनके पेरेंट्स को घर ढूंढ़ने और किराया देने के लिए भी संघर्ष करना पड़ा था। हालात इतने खराब थे कि वे अपनी बेटी को खिलौना तक नहीं खरीदकर दे पा रहे थे। इसी गरीबी को देखकर रश्मिका आज मेहनत से कमाए गए रुपयों की वैल्यू करती हैं। रश्मिका मंदाना का जन्म 5 अप्रैल 1996 को कर्नाटक के कोडागु (कूर्ग) जिले के वीराजपेट में हुआ। वह कोडवा परिवार से ताल्लुक रखती हैं। खूबसूरत पहाड़ियों और कॉफी बागानों के लिए मशहूर कूर्ग में उनका बचपन बीता। उनके पिता मदन मंदाना स्थानीय कारोबारी हैं, जिनका कॉफी एस्टेट और एक फंक्शन हॉल है।

सोहेल खान का बचपन में हुआ था यौन उत्पीड़न

सलमान खान के भाई बोले- सालों तक शर्म की वजह से किसी को नहीं बताया

नई दिल्ली। सलमान खान के छोटे भाई और एक्टर सोहेल खान ने हाल ही में बताया कि बचपन में उनके साथ यौन उत्पीड़न हुआ था, लेकिन उन्होंने कई सालों तक इस बारे में किसी से बात नहीं की थी। यह बात उन्होंने रियलिटी शो 'अलायंस' में कही। शो में सोहेल खान की टीम इस सप्ताह लीडरबोर्ड में टॉप पर रही। जीत के जश्न और हल्के-फुल्के माहौल के बीच उन्होंने दूसरे कंटेस्टेंट अर्सलान गोनी, रुही दोसानी और अली गोनी के साथ बातचीत में अपने बचपन का अनुभव शेयर किया।

रैगिंग के खिलाफ बात करते हुए सोहेल ने कहा, 'जब मैं छोटा था तो किसी ने मेरा यौन उत्पीड़न किया था और मैंने इसे सालों तक

अपने अंदर दबाए रखा।'

बड़े होने के बाद उन्होंने अपने पिता को इसके बारे में बताया। सोहेल के मुताबिक, उनके पिता ने कहा था कि उन्होंने इतने साल तक यह बात अपने अंदर क्यों रखी।

सोहेल ने कहा कि उस समय उन्हें इस घटना के बारे में बताने में शर्म महसूस होती थी, जबकि उनकी कोई गलती नहीं थी।

इसी एपिसोड में सोहेल खान अपने परिवार के बारे में बात करते हुए इमोशनल हो गए। उन्होंने कहा कि वह उन्हें बहुत मिस करते हैं। शो के होस्ट कुणाल खेमू से बात करते हुए सोहेल ने बताया कि उन्होंने पहले भी कई रियलिटी शो होस्ट और जज किए हैं, लेकिन एक कंटेस्टेंट के तौर पर हिस्सा लेने के बाद उन्हें कंटेस्टेंट पर पड़ने वाले मेंटल और इमोशनल प्रेशर का एहसास हुआ। सोहेल ने कहा कि 'अलायंस' में हिस्सा लेने के बाद उन्हें ऐसी सीख मिली, जो वह अपने 55 साल के जीवन में पहले नहीं सीख पाए थे।

3 इडियट्स उन पर नहीं बनी, फिल्म के दौरान उन्हें जानता नहीं था

वांगचुक पर आमिर बोले उनके लिए चिंतित हूं

नई दिल्ली। करीब तीन हफ्तों से जारी सोनम वांगचुक के आमरण अनशन के बीच आमिर खान ने पहली बार इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ी है। लंबे समय से सोशल मीडिया पर उनकी चुप्पी को लेकर सवाल उठ रहे थे। अब आमिर ने कहा है कि उन्हें सोनम वांगचुक की सेहत की चिंता है और वे उम्मीद करते हैं कि वह जल्द अपना अनशन खत्म करेंगे। लेकिन साथ ही आमिर ने कहा है कि फिल्म 3 इडियट्स सोनम वांगचुक पर नहीं बनी है। फिल्म बनाते हुए वो उन्हें जानते तक नहीं थे। लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल में फिल्म लगान की स्क्रीनिंग के दौरान आमिर खान से सोनम

वांगचुक पर एक महिला ने पूछा, 'हम जब बड़े हो रहे थे, तब हम पर आपका गहरा असर रहा। आप भी सोनम वांगचुक से इंस्पायर हुए हैं।'इस पर आमिर ने टोकते हुए कहा, 'नहीं, ये एक गलत धारणा है। जब फिल्म बन रही थी, मैं सोनम को जानता भी नहीं था। मैंने अभी चतुर (3 इडियट्स एक्टर ओमी वैद) का वीडियो देखा, लेकिन वो गलत हैं। न ही राजकुमार हिरानी, न हमारे राइटर और न मैं सोनम के बारे में जानते थे। हालांकि सोनम हर तरह से सही काम कर रहे हैं।

दावा- सोनम वांगचुक को जानते थे आमिर खान

आमिर खान का बयान सामने आने के बाद सोनम वांगचुक के जोश टॉक्स एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि वो 2008 में आमिर से मिले थे।

इसके अलावा एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें सोनम वांगचुक मंच पर अवॉर्ड ले रहे हैं और आमिर खान दर्शकों में बैठे हुए उनकी स्पीच सुन रहे हैं। ये वीडियो 3 इडियट्स रिलीज होने से पहले की है, जब आमिर खान गजनी के लुक में हैं।

ट्रम्प बोले- चीन ने 22 करोड़ वोटर्स का डेटा चुराया, खुफिया एजेंसियों ने जानकारी छिपाई

'2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली हुई'

संबोधन

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को चुनाव सुरक्षा पर राष्ट्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली हुई थी। ट्रम्प ने कहा कि उनकी सरकार चुनाव सुरक्षा से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक यानी डिक्लासिफाई कर रही है। व्हाइट हाउस की ओर से जारी इन दस्तावेजों के मुताबिक, चीन ने 2020 के चुनाव के दौरान 22 करोड़ अमेरिकी वोटरों का डेटा चुराया था। ट्रम्प के अनुसार, 18 राज्यों का वोटर डेटा हैक या हासिल किया गया।

ट्रम्प ने आरोप लगाया कि CIA, FBI और दूसरी खुफिया एजेंसियों को इसकी जानकारी थी, लेकिन इसे राष्ट्रपति, कांग्रेस और जनता से छिपाया गया। हालांकि, न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ट्रम्प के इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। सार्वजनिक दस्तावेज उनके सभी दावों की स्पष्ट पुष्टि नहीं करते। वहीं, 2020 के चुनाव के बाद हुई जांच, ऑडिट, पुनर्गणना और अदालतों की सुनवाई में बड़े पैमाने पर चुनावी धांधली के सबूत नहीं मिले थे। ट्रम्प ने कहा कि DHS की जांच में करीब 2.78 लाख गैर-नागरिक संघीय चुनावों के लिए वोटर के रूप में रजिस्टर्ड मिले। उनका दावा है कि असली संख्या इससे भी ज्यादा हो सकती है।

ट्रम्प चुनावों की सुरक्षा के मुद्दे पर राष्ट्र के नाम संबोधन किया।

वोटर आईडी बिल पर जोर दे रहे ट्रम्प

ट्रम्प फिर चुनावी नियमों में बदलाव की तैयारी कर रहे हैं। उनकी रिपब्लिकन पार्टी सेव अमेरिका एक्ट को कानून बनाना चाहती है। यह बिल प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) से पास हो चुका है, लेकिन सीनेट में अभी इसे मंजूरी नहीं मिली है। अगर यह कानून लागू होता है, तो वोटर बनने और वोट डालने के नियम पहले से ज्यादा सख्त हो जाएंगे। नए वोटर को रजिस्ट्रेशन के समय यह साबित करना होगा कि वह अमेरिकी नागरिक है। इसके लिए पासपोर्ट, जन्म प्रमाणपत्र या नागरिकता का दूसरा सरकारी दस्तावेज देना होगा।

ट्रम्प ने कहा कि चुनावी सिस्टम की कमजोरियों ने लोगों का भरोसा तोड़ा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को दुनिया का सबसे सुरक्षित, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावी सिस्टम चाहिए।

> ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका को दुनिया का सबसे सुरक्षित और निष्पक्ष चुनावी सिस्टम चाहिए। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा टूट चुका है और चुनाव सुरक्षा किसी एक पार्टी नहीं, पूरे देश का मुद्दा है।

अमेरिका में 2.78 लाख गैर-नागरिक वोटर रजिस्टर्ड

ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका में करीब 2.78 लाख गैर-नागरिक वोटर के तौर पर रजिस्टर्ड हैं। उन्होंने कहा कि यह जानकारी अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (DHS) की वोटर लिस्ट और सार्वजनिक रिकॉर्ड की जांच में सामने आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई डेमोक्रेट शासित राज्यों ने अपना वोटर डेटा साझा नहीं किया, इसलिए वास्तविक संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है।

'एच-1बी वीजा धारक अमेरिकियों के लिए पैदा करते हैं नौकरियां'

वाशिंगटन, एजेंसी

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद सुहास सुब्रह्मण्यम ने इस दावे को खारिज किया है कि एच-1बी वीजा धारक अमेरिकियों से नौकरियां छीनते हैं। बल्कि उन्होंने तर्क दिया कि कई प्रवासी अमेरिका में कंपनियां स्थापित करते हैं और रोजगार सृजन करते हैं।

वर्जीनिया के 10वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले डेमोक्रैट सांसद ने कहा कि यह कोई एकतरफा खेल नहीं है।

भारतीय अमेरिकी सांसद सुहास सुब्रह्मण्यम ने एक साक्षात्कार में कहा, 'बहुत से लोग जो एच-1बी वीजा पर आते हैं, वे वास्तव में कंपनियां शुरू करते हैं, अमेरिकियों के लिए नौकरियां पैदा करते हैं।'

सुहास सुब्रह्मण्यम ने वीजा कार्यक्रम के बारे में चिंताओं को स्वीकारा और अमेरिकी श्रमिकों की सुरक्षा के लिए सुधारों का समर्थन किया। लेकिन उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम ने अमेरिका को महत्वपूर्ण कार्यबल की कमी को दूर करने और ऐसे लोगों को आकर्षित करने में मदद की, जो बाद में नागरिक बन गए। सुब्रह्मण्यम ने कहा, 'कार्यक्रम में कुछ मुद्दे हैं जिन्हें हमें ठीक करने की आवश्यकता है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि अमेरिकियों को नौकरियों का अवसर मिले। लेकिन अंत में एच-1बी कार्यक्रम कार्यबल की कमी को भरने में सफल रहा है और आप जानते हैं, उनमें से कुछ भविष्य के अमेरिकियों में बदल गए और हमारे समाज में बहुत योगदान दे रहे हैं।'

भारतीय अमेरिकी सांसद ने कहा कि उनके वर्जीनिया निर्वाचन क्षेत्र में कई लोग एच-1बी वीजा पर अमेरिका आए थे और बाद में नागरिक बन अपने समुदायों में योगदान दिया।

फास्ट न्यूज

कनाडा ने पेरेंट्स एंड ग्रैंड-पेरेंट्स प्रोग्राम के तहत नए आवेदनों पर लगाई रोक

नई दिल्ली। कनाडा सरकार ने अपनी आव्रजन प्रणाली को टिकाऊ बनाने रखने के लिए पेरेंट्स एंड ग्रैंड-पेरेंट्स प्रोग्राम (पीजीपी) के तहत नए आवेदन स्वीकार करने पर रोक लगाने की घोषणा की है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजी और सिटिजनशिप कनाडा (आइआरसीसी) का कहना है कि वर्तमान फाइलों पर प्रक्रिया हालांकि जारी रहेगी ।

आजादी के 250 साल पूरे होने पर आएगा ट्रंप की तस्वीर वाला सिक्का

वाशिंगटन। अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने देश की आजादी के 250 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर वाले एक डॉलर के स्वर्ण स्मारक सिक्के ढालने की घोषणा की है।

वित्त मंत्री स्काट बेसेंट ने बताया कि अमेरिकी टकसाल (यूएस मिंट) जल्द ही इन सिक्कों का निर्माण शुरू करेगा। बेसेंट ने इंटरनेट मीडिया पर कहा कि यह सिक्का स्वतंत्रता की स्थायी विरासत और देशभक्ति का प्रतीक होगा। ट्रंप प्रशासन इससे पहले नई मुद्रा पर ट्रंप के हस्ताक्षर जोड़ने और उनके चित्र वाले 250 डॉलर के नोट का प्रस्ताव भी सामने ला चुका है।

बगावत के बीच पाकिस्तान की बढ़ी मुश्किलें

पीटीआई । पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हो रहे विरोध प्रदर्शन के बीच गिल गित - ब ल्टि स्त ान विधानसभा ने पाकिस्तान की केंद्र सरकार से एक खास मांग की है। इस नई मांग से पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल, विधानसभा ने इस पहाड़ी क्षेत्र को अस्थायी प्रांत का दर्जा देने के लिए सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पास किया है।

सोना आज 415 सस्ता हुआ, इस हफ्ते 2,104 गिरा

चांदी 797 गिरी, सात दिन में 3,753 की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में 17 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 415 रुपए गिरकर 1,41,264 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले 16 जुलाई को यह 1,41,679 लाख पर था।

वहीं, एक किलो चांदी 797 रुपए घटकर 2,16,637 रुपए पर आ गई है, जो गुरुवार को 2,17,434 लाख रुपए पर थी। सोना के दाम इस हफ्ते 2,104 रुपए और चांदी के दाम 3,753 रुपए गिरे हैं। 10 जुलाई को सोना 1,43,368 10 ग्राम और चांदी 2,20,390 किलो थी।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 34,857 रुपए सस्ता हो चुका है।

वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 169 दिन में चांदी 1,69,296 लाख रुपए सस्ती हो गई है। केंद्र सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर लगने वाली ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% कर दी है। सरकार का मकसद विदेशी खरीद कम करना और देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव को घटाना है।

कंट्रोल टावर को निशाना बनाया, लगातार छठी रात ईरान पर एयरस्ट्राइक की

अमेरिका का भारत के निवेश वाले चाबहार पोर्ट पर अटैक

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका ने शुक्रवार को लगातार छठी रात ईरान पर एयरस्ट्राइक की। इस दौरान भारत के निवेश वाले चाबहार पोर्ट को भी निशाना बनाया गया। हमले में पोर्ट के कंट्रोल (निगरानी) टावर को नुकसान पहुंचा है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कंट्रोल टावर के क्षतिग्रस्त होने की तस्वीर भी शेयर की है। ईरानी समाचार एजेंसी मेहर ने चाबहार पोर्ट और कंट्रोल टावर पर अमेरिकी हमले की पुष्टि की है। पिछले एक हफ्ते में इस टावर पर यह तीसरा हमला है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने बताया कि फाइटर जेट, ड्रोन और युद्धपोतों से ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हमला किया गया। CENTCOM ने कहा कि हमलों में तटीय निगरानी केंद्र, एयर डिफेंस सिस्टम, सैन्य लॉजिस्टिक्स और समुद्री सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया।

चाबहार पोर्ट भारत के लिए रणनीतिक रूप से अहम है। भारत ने इसके विकास में निवेश किया है और इसका संचालन भारतीय कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (IPGL) कर रही है। यह बंदरगाह भारत को पाकिस्तान को बायपास कर अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक व्यापारिक पहुंच उपलब्ध कराता है।

शिपिंग डेटा के मुताबिक, गुरुवार को होर्मुज स्ट्रेट से सिर्फ तीन मालवाहक जहाज गुजरे।

फुटेज ईरान के चाबहार पोर्ट पर अमेरिकी हमले के बाद का है। वीडियो में पोर्ट से घना धुआं उठता नजर आ रहा है।

समुद्री डेटा कंपनी केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक बुधवार को सिर्फ 9 जहाजों ने होर्मुज पार किया। मंगलवार को यह संख्या 13 थी।

तेहरान मेयर बोले- ट्रम्प दुनिया में कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं

तेहरान के मेयर अलीरेजा जकानी ने कहा है सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों से बदला लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प अब दुनिया में कहीं भी सुरक्षित नहीं रहेंगे। एक इंटरव्यू में जकानी ने कहा कि खामेनेई की हत्या के जिम्मेदार लोगों को सजा जरूर मिलेगी। यह दुनिया का हर एक मुसलमान चाहता है। इस हत्या का बदला लेना तय है।

ईरान बोला- जॉर्डन में अमेरिकी लड़ाकू विमानों को निशाना बनाया

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसने जॉर्डन में तैनात अमेरिकी लड़ाकू विमानों को निशाना बनाया है। ईरानी सरकारी टीवी के मुताबिक, यह हमला अमेरिकी सैन्य ठिकानों के खिलाफ जारी जवाबी कार्रवाई का हिस्सा है। इससे पहले जॉर्डन की सेना ने कहा था कि उसने देश की ओर दागी गई ईरान की तीन मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया।

ब्रिटिश वॉरशिप के समुद्री इलाके में घुसने का आरोप, खिलाड़ियों के बैनर से विवाद बढ़ा

विश्व कप मैच के बाद फॉकलैंड पर फिर भिड़े अर्जेंटीना-ब्रिटेन

नई दिल्ली, एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराने के कुछ घंटों बाद अर्जेंटीना और ब्रिटेन के बीच फॉकलैंड द्वीप को लेकर नया विवाद शुरू हो गया। अर्जेंटीना ने आरोप लगाया कि ब्रिटेन की रॉयल नेवी का वॉरशिप HMS मेडवे बिना अनुमति उसके समुद्री क्षेत्र में घुस आया।

अर्जेंटीना ने इसे सैन्य घुसपैठ करार दिया। विदेश मंत्री पाब्लो क्विर्नो ने कहा कि इस मामले में ब्रिटिश दूतावास के सामने औपचारिक विरोध दर्ज कराया गया है। वहीं ब्रिटेन ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि यात्रा की जानकारी पहले ही अर्जेंटीना सरकार को दे दी गई थी और यह अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप थी। यह विवाद उस समय और बढ़ गया जब इंग्लैंड को हराकर फाइनल में पहुंचने के बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने मैदान पर 'लास माल्विनास सन अर्जेंटीना' (माल्विनास अर्जेंटीना का है) लिखा बैनर लहराया। अर्जेंटीना में फॉकलैंड को माल्विनास कहा जाता है। इस घटना के बाद दोनों देशों का पुराना विवाद फिर चर्चा में आ गया। मैच से पहले अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति विक्टोरिया वियारुएल ने इंग्लैंड को आक्रमणकारी और कब्जा करने वाले समुद्री लुटेरे तक कहा था।

> मैच जीतने के बाद उन्होंने खिलाड़ियों की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, "फॉकलैंड अर्जेंटीना का है। हमें स्टेडियम में यह बैनर ले जाने से रोका गया, लेकिन वे भूल गए कि माल्विनास हमारे खून और हमारे दिल में बसता है।"

फॉकलैंड को लेकर अर्जेंटीना और ब्रिटेन में 44 साल से विवाद

फॉकलैंड द्वीप का मामला ब्रिटेन और अर्जेंटीना दोनों के लिए बहुत बड़ा मुद्दा है। दोनों देश इस पर दावा करते हैं। अर्जेंटीना इस द्वीप को माल्विनास कहता है।

फॉकलैंड दक्षिण अटलांटिक महासागर में स्थित हैं और अर्जेंटीना से सिर्फ 500 किमी दूर है। वहीं ब्रिटेन से यह 13,000 किमी दूर स्थित है। अर्जेंटीना ऐतिहासिक रूप से इस द्वीप को अपना बताता आया है। अर्जेंटीना का कहना है कि ये द्वीप उसके पास होने चाहिए, क्योंकि ये उसके इलाके के करीब हैं।

ब्रिटेन ने नाराजगी जताई, कहा- खेल में राजनीति न हो

वहीं, ब्रिटेन के बिजनेस सेक्रेटरी पीटर काइल ने खिलाड़ियों के बैनर को पूरी तरह अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि फुटबॉल में राजनीति की कोई जगह नहीं होनी चाहिए और फीफा को जांच करनी चाहिए कि कहीं खिलाड़ियों ने राजनीतिक संदेश देने संबंधी नियमों का उल्लंघन तो नहीं किया। उन्होंने कहा, "राजनीति को फुटबॉल से दूर रहना चाहिए। आगे क्या कार्रवाई होगी, इसका फैसला अब फीफा करेगा।"

भगवानपुरिया गैंग का गुर्गा नीतीश कौशल अमेरिका में गिरफ्तार

एफबीआई की मोस्ट वांटेड लिस्ट में था नाम

वॉशिंगटन, एजेंसी

FBI ने भारतीय गैंगस्टरों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। FBI ने भगवानपुरिया गैंग के गैंगस्टर नीतीश कौशल को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर अमेरिका में हत्या, अपहरण और ड्रग तस्करी में शामिल होने का आरोप है। नीतीश कौशल को कुछ दिनों पहले ही FBI ने अपनी मोस्ट वांटेड क्रिमिनल्स की लिस्ट में शामिल किया था।

FBI ने गुरुवार को X पर एक पोस्ट में कहा, नीतीश कौशल को वरमोंट में गिरफ्तार किया गया है।

FBI के मुताबिक, भारतीय नागरिक नीतीश कौशल ने कथित तौर पर 'भगवानपुरिया ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप' के लिए हिंसा की घटनाओं को अंजाम दिया, जिसमें अपहरण और मारपीट जैसी वारदातें शामिल हैं।

FBI ने मंगलवार को कौशल को अपनी 'मोस्ट वांटेड' लिस्ट में शामिल किया था। FBI उसकी तलाश कर रही थी क्योंकि वह एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन से जुड़ा था जो हत्या, अपहरण, ड्रग तस्करी, जबरन वसूली, हथियारों की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग और मानव तस्करी जैसे अपराधों में शामिल था। एजेंसी ने बताया कि 'जग्गू भगवानपुरिया ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप' भारत के पंजाब से शुरू हुआ था और कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट और अन्य जगहों पर सक्रिय था। लॉस एंजिल्स में कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की अमेरिकी जिला अदालत ने 25 जून को नीतिश कौशल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

दावा : किमी के3 में इंसानों जैसी आंखें और दिमाग कोडिंग और रिसर्च मिनटों में करेगा

अमेरिका को टक्कर देने आया चीन का एआई मॉडल

नई दिल्ली, एजेंसी

चीनी कंपनी मूनशॉट AI ने अपना नया AI मॉडल किमी K3 पेश किया है। कंपनी का दावा है कि यह 2.8 ट्रिलियन पैरामीटर्स वाला दुनिया का पहला ओपन मॉडल है।

इसमें 1 मिलियन टोकन की कॉन्टेक्स्ट विंडो दी गई है। पिछले मॉडल किमी K2 की तुलना में इसकी स्केलिंग दक्षता करीब 2.5 गुना बेहतर है।

इसे एक सरल उदाहरण से समझते हैं: मान लीजिए एआई मॉडल एक इंसानी दिमाग की तरह है, जिसे एक बहुत बड़ी परीक्षा की तैयारी करनी है।

पैरामीटर्स को आप एआई का 'अनुभव' मान सकते हैं। एक बच्चा जब बड़ा होता है, तो वह जितनी ज्यादा बातें सीखता है, उसका दिमाग उतना ही तेज चलता है। एआई की दुनिया में जिस मॉडल के पास जितने ज्यादा पैरामीटर्स होते हैं, वह उतना ही समझदार माना जाता है। 28 लाख करोड़ पैरामीटर्स होने का मतलब है कि इस मॉडल का दिमाग बेहद विशाल है और यह बहुत ही पेचीदा और मुश्किल सवालों को इंसानों की तरह समझकर हल कर सकता है।

उदाहरण: एक आम एआई मॉडल को अगर आप 5-10 पन्ने देंगे, तो वह उसे पढ़ लेगा, लेकिन पूरी किताब देने पर उसके हाथ-पैर फूल जाएंगे। किमी K3 की 10 लाख टोकन की क्षमता का मतलब है कि आप इसे पूरी की पूरी मोटी किताब, हजारों लाइनों का कंप्यूटर कोड या साल भर की बैंक स्टेटमेंट एक साथ दे दीजिए; यह एक सेकंड में उस पूरी जानकारी को दिमाग में रखकर आपको उसका सटीक विश्लेषण करके दे देगा।

3टी क्लास क्या है?

यहां 'T' का मतलब है ट्रिलियन। चूंकि इस मॉडल में 2.8 ट्रिलियन पैरामीटर्स हैं, जो कि 3 ट्रिलियन (3.0T) के बेहद करीब है, इसलिए इसे '3T क्लास' का मॉडल कहा गया है। एआई की दुनिया में 3T क्लास में पहुंचना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इतने बड़े मॉडल अब तक सिर्फ अमेरिका की ओपन एआई जैसी चुनिंदा कंपनियों के पास ही थे।

> कॉन्टेक्स्ट विंडो का मतलब है एआई की 'याददाश्त' या एक बार में पढ़ने की क्षमता। जब आप एआई से चैट करते हैं, तो वह एक बार में कितना लंबा पैराग्राफ या दस्तावेज याद रख सकता है, यही उसकी कॉन्टेक्स्ट विंडो है।

'ओपन मॉडल' होने का क्या फायदा है?

अब तक अमेरिका की कंपनियां अपने इतने बड़े मॉडल्स को छुपाकर रखती हैं। इसे क्लोज्ड मॉडल कहते हैं। वे सिर्फ आपको इस्तेमाल करने देती हैं, लेकिन यह नहीं बतातीं कि इसे अंदर से कैसे बनाया गया है। चीन की कंपनी ने इसे 'ओपन मॉडल' रखा है। इसका मतलब है कि वह इस शक्तिशाली दिमाग की 'ब्लूप्रिंट' दुनिया भर के सॉफ्टवेयर डेवलपर्स और वैज्ञानिकों के लिए मुफ्त या खुले तौर पर जारी कर देगी। इससे दुनिया का कोई भी आम इंजीनियर इस एआई को लेकर अपने हिसाब से बदल सकता है, नया ऐप बना सकता है या अपने काम में इस्तेमाल कर सकता है।

जियाउर रहमान का हत्यारा 45 साल बाद ढाका में गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बीएनपी सरकार को एक बड़ी कामयाबी मिली है। पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के हत्यारे, बांग्लादेश सेना के पूर्व मेजर मुजफ्फर हुसैन को 45 साल तक फरार रहने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है।

गिरफ्तारी के बाद कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर पुलिस ने हुसैन को सैन्य अदालत में कार्रवाई के लिए बांग्लादेश सेना को सौंप दिया है। दरअसल, केस के दस्तावेजों के अनुसार, हुसैन ने ही 30 मई 1981 को चटगांव सर्किट हाउस में तत्कालीन राष्ट्रपति जियाउर रहमान पर जानलेवा गोलियां चलाई थीं।

30 मई, 1981 की सुबह मध्यम स्तर के सेना अधिकारियों के एक समूह ने सर्किट हाउस पर हमला किया और सत्ताधारी BNP के संस्थापक जियाउर रहमान की हत्या कर दी। अधिकारियों का आरोप है कि हुसैन और कैप्टन मोस्लेह उद्दीन उन अधिकारियों में शामिल था जो सीधे तौर पर इस हत्या में शामिल था। ढाका मेट्रोपॉलिटन डिटेक्टिव पुलिस ने बताया कि पूर्व सेना मेजर मुजफ्फर हुसैन को 45 साल बाद ढाका के बनानी डीओएचएस इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पुलिस ने हुसैन को बांग्लादेश सेना को सौंप दिया है ताकि कोर्ट द्वारा आगे की कार्रवाई की जाए।

> पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की हत्या में था शामिल
> 45 साल बाद हुई गिरफ्तारी

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96